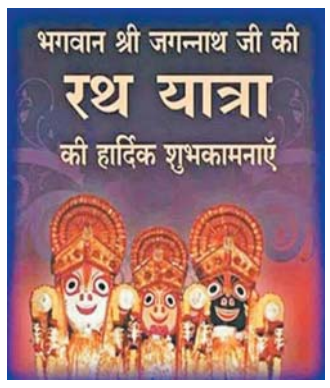

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 312/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 26 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

क्या पीएम मोदी के कद से घबरा गए हैं चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग

जो रद्द कर दिया ब्रिक्स दौरा

नई दिल्ली। चीन खुद को दुनिया का बेहद ताकतवर मुल्क समझता है। ऐसे में वो ये कैसे बर्दाश्त करेगा कि उसके राष्ट्रपति के सामने किसी और वैश्विक नेता का ज्यादा सम्मान हो। और वो वैश्विक नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों तो ड्रैगन का डर लाजिमी है। शायद यही वजह है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स के आगामी शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने का प्लान रद्द कर दिया है। ये पहली बार होगा, जब शी जिनपिंग ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से गैरहाजिर रहेंगे। चीन ने अपने राष्ट्रपति के ब्रिक्स समिट में शामिल न होने को लेकर कोई ठोस वजह अभी नहीं बताई है, लेकिन एक चर्चा ये भी है कि ब्रिक्स समिट के दौरान ब्राजील ने जिस तरह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकारी आवभगत करने का ऐलान किया है, उसकी वजह से चीनी राष्ट्रपति ने अपना दौरा रद्द कर दिया है। चीन को संभवतः डर है कि ब्रिक्स समिट में पीएम मोदी छाए रहेंगे और वैश्विक मंच पर मोदी के मुकाबले चीनी राष्ट्रपति का कद कम नजर आएगा तो उसकी फजीहत हो जाएगी। ब्रिक्स मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का एक महत्वपूर्ण संगठन है। पिछले साल इसमें यूएई, इजिप्ट, ईरान, इंडोनेशिया और इथियोपिया जैसा नौ देश और शामिल हुए थे। हाल ही वियतनाम ब्रिक्स का 10वां पार्टनर देश बना है। इसे दुनिया में अमेरिका की अगुआई वाली वैश्विक व्यवस्था का मजबूत विकल्प माना जाता है। ब्रिक्स का 17वां शिखर सम्मेलन आगामी 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरो में आयोजित होना है। शी जिनपिंग की गैरमौजूदगी में अब चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ब्रिक्स समिट में हिस्सा ले सकते हैं। चीन ब्रिक्स का महत्वपूर्ण साझेदार है। संगठन के अब तक जितने भी शिखर सम्मेलन हुए हैं, उनमें बतौर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जरूर शामिल हुए हैं। लेकिन ये पहली बार है, जब जिनपिंग ने ब्रिक्स समिट में जाने से इनकार कर दिया है। जिनपिंग समिट में क्यों नहीं जा रहे हैं, इसे लेकर चीन ने सिर्फ इतना ही कहा है कि पहले से तय कार्यक्रमों की वजह से वहां जाना संभव नहीं है।

ब्रिक्स की मेजबानी करेगा ब्राजील

ब्रिक्स के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में ब्राजील 6-7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में उसके नियमित 17वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इस समूह का विस्तार पांच अतिरिक्त सदस्य देशों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ किया गया है। यूक्रेन के अनुरोध पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत (आईसीसी) द्वारा पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के कारण पुतिन वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में

एससीओ में पाक रक्षा मंत्री से नहीं मिले राजनाथ

साझा दस्तावेज में पहलगाम की जगह बलूचिस्तान हमले का जिक्र होने से

भारत का दस्तखत से इनकार

शंघाई। चीन के किंगदाओ में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने जॉइंट स्टेट पर साइन करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार को हुई इस बैठक भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया था। जॉइंट स्टेटमेंट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि बलूचिस्तान में हुई घटना इसमें शामिल थी। भारत ने इससे नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेटमेंट पर साइन नहीं किए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकी हमलों जैसा था। सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। राजनाथ ने कहा, एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद थे। दूसरी तरफ राजनाथ सिंह ने बैठक में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से भी मुलाकात नहीं की है।

ये हैं बड़ी वजह

1 उग्रवाद और आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती
राजनाथ ने आगे कहा, मेरा मानना है कि सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं। इन समस्याओं की असल वजह कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद में बढ़ोतरी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा और संरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट होना चाहिए।

2 आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस
राजनाथ ने कहा भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति आज हमारे एक्शन में भी नजर आती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ स्वयं की रक्षा करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे।

3 -देशों के बीच संघर्ष रोकने के लिए संवाद की जरूरत
भारत का मानना है कि संवाद के बिना देशों के बीच संघर्ष को नहीं रोका जा सकता। इसके लिए सभी को साथ आना होगा। कोई भी देश, चाहे वह कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न हो, अकेले काम नहीं कर सकता। साथ मिलकर काम करने की हमारी पुरानी परंपरा रही है। यह हमारी सदियों पुरानी संस्कृत कहावत सर्वे जन सुखिनो भवन्तु को भी दर्शाता है।

4 ग्लोबल चैलेंज में सभी एक साथ आएं
कोरोना वायरस से यह साबित हो गया कि महामारियों की कोई सीमा नहीं होती। जब तक सभी सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक कोई भी सेफ नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि कैसे महामारी, जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां हमारे जन-जीवन का प्रभावित कर सकती हैं। इनसे निपटने के लिए सभी देशों को एकजुट होना पड़ता है।

लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन में सीएम की बड़ी घोषणा

70 साल से ऊपर वाले सेनानियों के इलाज का खर्चा उठाएगी सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन में सीएम डॉ मोहन यादव ने बड़ी घोषणा की है। कहा- 70 साल से ऊपर वाले लोकतंत्र सेनानियों का इलाज का पूरा खर्चा सरकार उठाएगी। एयर एंबुलेंस की सुविधा हम अपने सरकार के माध्यम से देंगे। खाद को लेकर किसानों के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा खाद की संकट प्रदेश में नहीं है कांग्रेस खुद खंड-खंड में बंटी है। कांग्रेस में नेताओं की किल्लत है, खाद की नहीं है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र

सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लोकतंत्र सेनानियों का योगदान काफी बड़ा है। लोकतंत्र सेनानी के सभी मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। शासन के सभी योजना में पात्रता के अनुसार सबसे पहले लोकतंत्र सेनानियों को लाभ दिया जाएगा।सुप्रीम कोर्ट की फैसले के बाद भी तीन तालाक के नियम को कांग्रेस ने बदला, संविधान की हत्या करने वाले क्या संविधान बचाएंगे।

हमारा इतिहास लोकतंत्र के जननी के रूप में जाना जाता

वर्तमान नेता प्रतिपक्ष ने देश की सेना का अपमान किया है। ऑपरेशन सिंदूर पर जो टिप्पणी अमेरिका, पाकिस्तान और दूसरे देशों ने नहीं कि वह नेता प्रतिपक्ष ने किया है। हमारा इतिहास लोकतंत्र के जननी के रूप में जाना जाता है। मैं सभी लोकतंत्र सेनानियों को बधाई देता हूं और उनको प्रणाम करता हूं। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी, सांसद आलोक शर्मा मौजूद रहे।

देश के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने किया बड़ा ऐलान

अब पेट्रोल-डीजल नहीं बांस, गोबर और कचरे से चलेंगी गाड़ियां

नई दिल्ली। भारत हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये सिर्फ कच्चे तेल के आयात पर खर्च करता है। इससे न सिर्फ अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता है, बल्कि देश की ऊर्जा सुरक्षा भी खतरे में रहती है। लेकिन, अब देश के परिवहन मंत्री नितिन गडकरी इस कहानी को बदलने के मिशन पर हैं। उनका फोकस स्वदेशी, सस्ता और प्रदूषण-मुक्त फ्यूल सिस्टम पर है। गडकरी ने हाल ही में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और ओहमियम इंटरनेशनल के बीच हुए समझौते पर कहा कि हमारा लक्ष्य है कि भारत ऊर्जा आयातक नहीं, ऊर्जा निर्यातक बने। इस दिशा में सरकार 4 प्रमुख ऑप्शनल फ्यूल को बढ़ावा दे रही है। इसमें ग्रीन हाइड्रोजन, इथेनॉल और फ्लेक्स-फ्यूल, बायोगैस (सीबीजी), इसोब्यूटेनॉल डीजल मिक्स फ्यूल शामिल हैं।

हाइड्रोजन ट्रकों का ट्रायल शुरू

उन्होंने बताया कि देशभर में 500 करोड़ की लागत से 27 हाइड्रोजन ट्रकों का परीक्षण शुरू हो चुका है। ये ट्रायल प्रमुख हाईवे रूट्स जैसे दिल्ली-आगरा, मुंबई-पुणे, जामनगर-वडोदरा, भुवनेश्वर-पुरी, विशाखापट्टनम-विजयवाड़ा पर चलाए जा रहे हैं। इन ट्रकों में एच2-आईसीई (हाइड्रोजन इंटरनल कॉम्बुशन इंजन) और फ्यूल सेल टेक्नोलॉजी दोनों का इस्तेमाल हो रहा है। ट्रायल के लिए 9 जगह हाइड्रोजन रिफ्यूलिंग स्टेशन भी बन चुके हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन

नितिन गडकरी ने साफ किया है कि ग्रीन हाइड्रोजन, यानी सोलर या पवन ऊर्जा से बना हाइड्रोजन भारत का भविष्य है। लेकिन, इसकी कीमत को आम लोगों के लिए सुलभ बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए, उन्होंने स्टार्टअप्स, वैज्ञानिकों और कंपनियों से अपील की है कि वे कचरे, बांस, ऑर्गेनिक वेस्ट जैसी चीजों से हाइड्रोजन बनाने के उपाय खोजें। एनटीपीसी और कुछ प्राइवेट कंपनियां इस दिशा में पहले ही प्रयोग कर रही हैं।

इथेनॉल, फ्लेक्स-फ्यूल और बायोगैस- गडकरी की रणनीति में सिर्फ हाइड्रोजन नहीं, बल्कि इथेनॉल और बायोगैस भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। 20त्न इथेनॉल मिलाकर पेट्रोल बेचना अब पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

चारों एस्ट्रोनॉट आज शाम 4.30 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचेंगे

नमस्कार फ्राम स्पेस, एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं: शुभांशु

फ्लोरिडा। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला सहित चारों एस्ट्रोनॉट आज शाम 4.30 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचेंगे। इससे पहले इस मिशन के क्रू ने स्पेसक्राफ्ट से लाइव बातचीत की। इस दौरान शुभांशु ने कहा- नमस्कार फ्रॉम स्पेस, ! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां होने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। यह शानदार यात्रा है। जब हमें वैक्यूम में लॉन्च किया गया, तब मैं बहुत अच्छा महसूस

नहीं कर रहा था, मैं बहुत सोया हूं। एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं... अंतरिक्ष में चलना और खाना कैसे होता है। इस दौरान एक सॉफ्ट टॉय स्वान यानी, हंस को हाथ में लेकर उन्होंने कहा-भारतीय संस्कृति में हंस बुद्धिमत्ता का प्रतीक है। एक्सिओम मिशन 4 के तहत बुधवार को 25 जून को सभी एस्ट्रोनॉट इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। उनका ये मिशन पहले 6 बार तकनीकी दिक्कतों के कारण टल चुका था।

शुभांशु शुक्ला का यह है मैसेज

नमस्ते फॉम स्पेस ! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारेंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत राइड थी.. और फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया। आपने बेल्ट खोली और आप वैक्यूम की शांति में तैर रहे थे। मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस यात्रा का हिस्सा रहा है। मैं समझता हूं कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आप सभी की सामूहिक उपलब्धि है, जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। परिवार और दोस्तों को भी.. आपका समर्थन बहुत मायने रखता है। यह सब आप सभी की वजह से संभव हुआ है। हमने आपको जोय और ग्रेस दिखाए।

दृश्यों का, पूरे अनुभव का आनंद ले रहा हूं

जब हम वैक्यूम में लॉन्च हुए, तब मुझे बहुत अच्छा नहीं लग रहा था, लेकिन कल से मुझे बताया गया है कि मैं बहुत सोया हूं, जो एक अच्छा संकेत है। मुझे लगता है कि यह एक शानदार संकेत है। मैं इस माहौल में अच्छी तरह से ढल रहा हूं। दृश्यों का आनंद ले रहा हूं, पूरे अनुभव का आनंद ले रहा हूं। एक बच्चे की तरह सीख रहा हूं- नए कदम, चलना, खुद को नियंत्रित करना, खाना, सब कुछ। यह एक नया वातावरण है, नई चुनौती है, और मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इस अनुभव का बहुत आनंद ले रहा हूं। गलतियां करना ठीक है, लेकिन किसी और को गलती करते देखना और भी बेहतर है। यहां ऊपर बहुत मजेदार समय रहा है।

शिवराज ने की कृषि समेत कई मुद्दों पर बात

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से लोकसभा सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने आज तमिलनाडु के खाद्य मंत्री श्आर सक्करपानी, राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा और विधायक मथियाझगन देवराज के साथ कृषि भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

दो अरबपति उद्योगपतियों ने फिर मिलाया हाथ, देश में तेल-गैस की करेंगे बिक्री

मुंबई। मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी ने जियो-बीपी और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड के माध्यम से पेट्रोल, डीजल और सीएनजी बेचने के लिए साझेदारी की है. जियो-बीपी अब एटीजीएल स्टेशनों पर पेट्रोल-डीजल और एटीजीएल, जियो-बीपी स्टेशनों पर सीएनजी उपलब्ध कराएगा। यह साझेदारी भारत में वाहन ईंधन खुदरा अनुभव को नया रूप देगी। इससे पहले दोनों अरबपति उद्योगपति मध्यप्रदेश की बिजली परियोजना में भी साथ आ चुके हैं। यह सहयोग ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगा। देश के दो सबसे बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी एक बार फिर साझेदारी के लिए आगे आए हैं। दोनों ने अपने ईंधन खुदरा नेटवर्क को मिलाकर भारत में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी बेचने के लिए समझौता किया है। यह उनका दूसरा व्यावसायिक सहयोग है, जो ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा कर सकता है।

जियो-बीपी और एटीजीएल की रणनीतिक साझेदारी

इस सहयोग के तहत, मुकेश अंबानी की जियो-बीपी (ब्रिटिश पेट्रोलियम के साथ संयुक्त उपक्रम) और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल), अपने-अपने फ्यूल स्टेशनों पर एक-दूसरे के उत्पाद उपलब्ध कराएंगे। एटीजीएल की सीएनजी दुकानों पर जियो-बीपी द्वारा पेट्रोल और डीजल डिस्पेंसर लगाए जाएंगे। जियो-बीपी के फ्यूल स्टेशनों पर एटीजीएल अपने सीएनजी डिस्पेंसर स्थापित करेगा।

उपभोक्ताओं के लिए बढ़ेगी सुविधा

संयुक्त बयान में कहा गया कि यह सहयोग भारतीय उपभोक्ताओं के वाहन ईंधन अनुभव को फिर से परिभाषित करेगा। अब ग्राहक एक ही आउटलेट से पेट्रोल, डीजल और सीएनजी जैसी सभी प्रमुख ईंधन सेवाएं पा सकेंगे। इससे लॉजिस्टिक लागत घटेगी और ईंधन उपलब्धता में सुधार होगा।

देशभर में मौजूद नेटवर्क का लाभ

इस साझेदारी का लाभ दोनों कंपनियों के मौजूदा और भविष्य के नेटवर्क को मिलेगा। जियो-बीपी के पास 1,972 पेट्रोल पंपों का नेटवर्क है। एटीजीएल देशभर के 34 भौगोलिक क्षेत्रों में 650 से अधिक सीएनजी स्टेशन संचालित करती है। यह समझौता उपभोक्ताओं को बेहतर ईंधन पहुंच और गुणवत्ता उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इससे पहले भी हो चुका है सहयोग

यह दूसरी बार है, जब अंबानी और अदाणी साथ आए हैं। इससे पहले मार्च 2023 में, दोनों समूहों ने मध्यप्रदेश में बिजली परियोजना को लेकर समझौता किया था। रिलायंस ने अदाणी पावर की परियोजना में 26त्न हिस्सेदारी खरीदी थी और संयंत्र से 500 मेगावाट बिजली खुद उपयोग करने का अनुबंध किया था।

ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव

मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी की यह साझेदारी न केवल प्रतिस्पर्धा को सहयोग में बदलने का उदाहरण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत का ऊर्जा और ईंधन खुदरा बाजार किस तरह से एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में इस सहयोग के असर व्यापक रूप से देखने को मिल सकते हैं।

निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी

शिक्षा का अधिकार अधिनियम: 9 हजार से अधिक बच्चों को मिला मनचाहे विद्यालयों में प्रवेश

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित की गई द्वितीय चरण की ऑनलाइन लॉटरी में 9 हजार 190 बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश प्राप्त हुआ है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बुधवार को भोपाल में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में वंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के निःशुल्क प्रवेश के लिये ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया।

इस लॉटरी प्रक्रिया में उन बच्चों को शामिल किया गया था, जिन्हें प्रथम चरण की लॉटरी में उनकी पंसद के स्कूल आवंटित नही हो सके थे। ऐसे बच्चों को निजी विद्यालयों की रिक्त सीटों अनुसार द्वितीय चरण की लॉटरी के लिये अपनी वरीयता अंकित करते हुए आवेदन करने का एक और अवसर प्रदान किया गया था।

द्वितीय चरण की लॉटरी में बच्चों को उनकी चुनी गई वरीयता के आधार पर निजी विद्यालयों में सीट का आवंटन 25 जून को ऑनलाइन लॉटरी की स्वचालित कंप्यूटर प्रक्रिया द्वारा किया गया। इनमें से 5 हजार 128 बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें उनके द्वारा चयनित प्रथम वरीयता वाले स्कूलों में प्रवेश मिला है। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने लॉटरी में चयनित बच्चों को उनकी पसंद का स्कूल आवंटित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन टीम की प्रशंसा भी की। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के उपरांत एक लाख 66 हज़ार 751 बच्चे पात्र हुए थे, जिनमें से 83 हजार 483 बच्चों को प्रथम चरण की ऑनलाइन लॉटरी में उनके द्वारा चयनित स्कूलों का आवंटन किया जा चुका है। बुधवार को आयोजित हुई द्वितीय चरण की लॉटरी में 9 हजार 190 और बच्चों को उनकी पसंद के निजी विद्यालयों में प्रवेश आवंटन प्राप्त हुआ है। इस प्रकार इस वर्ष शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश आवंटन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 92 हजार 673 हो गई है। जिन बच्चों को आज इस ऑनलाइन लॉटरी में स्कूल का आवंटन हो रहा है, उन्हें उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस माध्यम से भी सूचना दी जा रही है।

बच्चे उनके आवंटित स्कूलों में 30 जून तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे। इन बच्चों की फीस राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार सीधे स्कूल के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। इस ऑनलाइन लॉटरी में विभिन्न प्रायवेट स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 6 हजार 331, केजी-1 में एक हज़ार 895 और कक्षा पहली में 964 बच्चों को निःशुल्क प्रवेश के लिये सीटों का आवंटन हुआ है। इस अवसर पर अपर संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र शीतांशु शुक्ला, नियंत्रक आरटीई सचिन तिवारी, डॉ. आशीष भारती, पंकज श्रीवास्तव और तकनीकी सहयोगी विभाग एमपीएसईडीसी के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

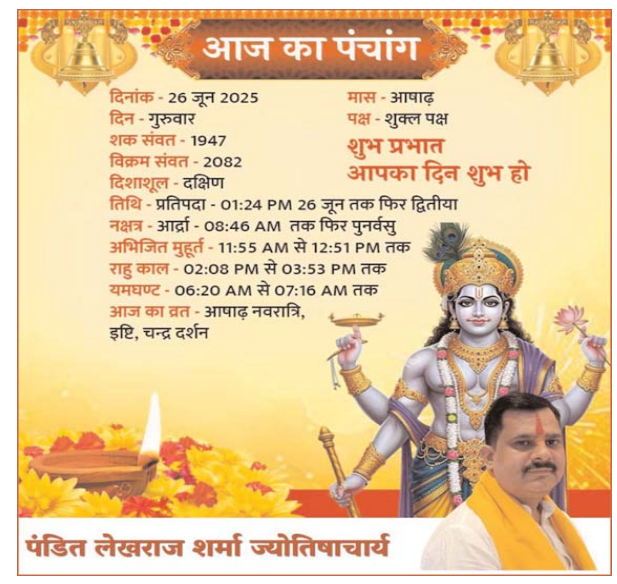

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि कब से है शुरू? जानें सही तिथि मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में आषाढ़ महीने में पड़ने वाली गुप्त नवरात्रि का विशेष महत्व है। इस दौरान विशेष रूप से मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा गुप्त की जाती है। यह तंत्र साधना से की जाती है। इसलिए इसे गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। अब ऐसे में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का आरंभ कब से हो रहा हे।

हिन्दू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है, और यह पर्व साल में चार बार मनाया जाता है। इनमें से दो प्रमुख नवरात्रि चैत्र और शारदीय और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। जहाँ चैत्र और शारदीय नवरात्रि को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, वहीं गुप्त नवरात्रि का महत्व विशेष इच्छाओं की पूर्ति और गुप्त सिद्धियों के लिए होता है, जिनकी पूजा गोपनीय तरीके से की जाती है। आषाढ़ मास में पड़ने वाली गुप्त नवरात्रि इन्हीं में से एक है। इस वर्ष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का आरंभ कब हो रहा है, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है, और इसका महत्व क्या है -

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि कब से हो रही है शुरू?

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि 26 जून से शुरू हो रही है और इसका समापन 4 जुलाई को होगा। इस बार गुप्त नवरात्रि पूरे नौ दिनों तक रहेगी। घट स्थापना का शुभ मुहूर्त 26 जून को सुबह 5:25 से 06:58 बजे तक या अभिजीत मुहूर्त में 11.56 बजे से 12:52 बजे तक शायं को 4ः45 से रात्री में 7 बजकर 50 तक रहेगा।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि का पर्व तंत्र-मंत्र और शक्ति साधना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह नौ दिवसीय उत्सव मां दुर्गा के नौ रूपों की गुप्त रूप से पूजा करने का समय होता है। जो भक्त गुप्त सिद्धियां प्राप्त करना चाहते हैं या विशेष मनोकामनाएं पूरी करना चाहते हैं, उनके लिए यह नवरात्रि विशेष फलदायी होती है।

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत गुरूवार 26 जून 2025 से होगी और इसका समापन 4 जुलाई 2025 को होगा। इन नौ दिनों में देवी के विभिन्न रूपों की आराधना की जाएगी। आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पर करें ये उपाय, ग्रहों की चाल होगी आपके अनुकूल नवरात्रि के दिनों में होती है माता के इन नौ स्वरूपों की पूजा, हर रूप का है खास महत्व

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की पूजा का महत्व क्या है?

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि के नौ दिनों में विशेष रूप से मां दुर्गा के नौ रूपों के बजाय दस महाविद्याओं की पूजा-अर्चना की जाती है। ये दस महाविद्याएं हैं। जैसे कि मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी। इन देवियों की उपासना से साधक विशेष सिद्धियां प्राप्त करते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। आषाढ़ गुप्त नवरात्रि में की गई पूजा से कुंडली के सभी प्रकार के दोष, ग्रह बाधाएं, नजर दोष और तंत्र बाधाएं दूर होती हैं। यह नकारात्मक ऊर्जाओं से मुक्ति दिलाने में सहायक मानी जाती हे।

मां दुर्गा का प्रिय मंत्र कौन सा है?

जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी। दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोऽस्तुते।। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।। पिण्डज प्रवरा चण्डकोपास्त्रुता

देवी को घर पर बुलाने के लिए कौन सा मंत्र है?

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः इस मंत्र का नियमित तौर पर जाप करें। मां दुर्गा को समर्पित यह मंत्र बेहद शक्तिशाली होता है।

पंडित लेखराज शर्मा ज्योतिषाचार्य
9893470712

।। अनुभव की सीख ।।

जीवन में हम अनेक वस्तुओं, संबंधों और सुखों के पीछे भागते हैं, यह सोचकर कि वे हमें स्थायी आनंद देंगे। लेकिन यदि हम गहराई से विचार करें, तो यह सत्य सामने आता है कि जो कुछ भी हमें प्राप्त होता है, वह एक दिन अवश्य बिछुड़ जाता है। यह अनुभव हमें शास्त्रों के अध्ययन के बिना भी हो सकता है, बशर्ते हम अपने जीवन के अनुभवों पर ध्यान दें।

हर मनुष्य अपने जीवन में देखता है कि धन, वैभव, या सांसारिक सुख कुछ समय के लिए आते हैं और फिर चले जाते हैं। एक बच्चा अपने खिलौने से खुश होता है, पर वह टूट जाता है। एक युवा अपने प्रियजन के साथ समय बिताता है, पर समय के साथ संबंध बदल जाते हैं। यह प्रकृति का नियम है कि जो आया है, वह जाएगा। इस सत्य को समझने के लिए गहन शास्त्रीय ज्ञान की आवश्यकता नहीं; यह तो जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव सिखा देता है।

जब हम इस सत्य को स्वीकार करते हैं कि जो कुछ भी मिला है, वह न तो हमारा है और न ही हमारे लिए स्थायी है, तो हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। हम क्षणिक सुखों के पीछे अंधे होकर दौड़ना बंद कर देते हैं और जीवन के गहरे अर्थ को खोजने लगते हैं। यह अनुभव हमें संयम, संतोष और आत्मिक शांति की ओर ले जाता है।

अंततः, यह जीवन का सरल सत्य है कि जो बिछुड़ने वाला है, उसे अपना मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। इस अनुभव को अपनाकर हम जीवन को अधिक सार्थक और संतुलित बना सकते हैं।

मीसाबंदी कैप्टन नारायण परवानी एवं नरेश वासवानी का स्वागत

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी संत नगर मंडल द्वारा आपातकाल के काले दिवस के 50 पूर्ण वर्ष पूर्ण होने पर संत नगर मंडल द्वारा मीसाबंदी रहे कैप्टन नारायण परवानी एवं नरेश वासवानी का स्वागत साल श्रीफल द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संत नगर मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी कार्यक्रम संयोजक कमल विधानी सह संयोजक हर्षित दुबे विशाल साधवानी, राजेश हिंगोरानी, जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत, विकास मारन, चंदू भैया, भारती मुलानी, गुड्डू मेहरा राजू थवानी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपातकाल के 50 वर्ष: अभाविप ने भारत माता चौराहा से निकाली मशाल यात्रा

भोपाल। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक मशाल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भारत माता चौराहा से प्रारंभ होकर रोशनपुरा चौराहे तक निकाली गई। इस आयोजन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं परिषद के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महानगर मंत्री शिवम जाट ने कहा कि ÷आपातकाल भारतीय संविधान और लोकतंत्र पर एक काला धब्बा था, जिसे देशवासी कभी नहीं भूल सकते।÷ उन्होंने आगे कहा कि अभाविप का यह प्रयास है कि आज की युवा पीढ़ी उस समय की तानाशाही प्रवृत्तियों और लोकतंत्र के दमन को जाने और उससे सबक ले।

प्रांत सह मंत्री हिमांशु शर्मा ने कहा कि आज जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल के समय उनके ही विचारधारा के लोगों ने संविधान को रौंदा था। उन्होंने कहा कि एबीवीपी लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव अग्रणी भूमिका निभाती रही है और आगे भी निभाती रहेगी। मशाल यात्रा के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने आपातकाल के विरुद्ध जनजागरण का संदेश दिया और लोकतंत्र की रक्षा के संकल्प को दोहराया। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। अभाविप के कार्यकर्ताओं ने मशाल जलाकर यह संदेश दिया कि भारत कभी भी तानाशाही प्रवृत्तियों को स्वीकार नहीं करेगा और लोकतंत्र के लिए सदैव संघर्ष करता रहेगा।

वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित

भोपाल। वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आदिवासी समाज के बुजुर्ग युवा एवं मातृ-शक्तियों कि उपस्थिति में गोंड वीरांगना महारानी दुर्गावती मरावी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया एवं समाज के समस्त सगाजनों ने संकल्प लिया कि समाज के बलिदानियों की दिखाएं मार्गों पर चलकर आदिवासी समाज को संगठित कर अपने हक अधिकार मान सम्मान आर्थिक उन्नति शिक्षा स्वास्थ्य नशा मुक्ति के लिए मिलजुल कर सदैव कार्यरत रहेंगे और आदिवासी समाज के महापुरुषों के बलिदानों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। श्रद्धांजलि स्मरण सभा में मुख्य रूप से, रतन लाल बाथम, आनंद श्याम, जी पी सैयाम, आर.एन ठाकुर, शैलेंद्र मर्सकोले बंटी, सुमेर सिंह ठाकुर, केतूल मरकाम, पुरुषोत्तम सिंह मर्सकोले, मनोज कुमार उईके, सुरजीत सिंह मरावी, पाण्डा मरापे, राम चरण, चैन सिंह राय, अर्जुन सिंह सैयाम, प्रीतम धुर्वे, राजकुमारी उईके, उस धुर्वे आदिवासी समाज के अन्य क्षेत्रों की बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

क्षय रोगियों के लिए आरसीसीपीएल द्वारा पोषण किट का वितरण

भोपाल। मैहर जिले की कलेक्टर रानी बटाड की पहल पर आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड, मैहर इकाई ने पीके चौधरी, इकाई प्रमुख, आरसीसीपीएल के नेतृत्व में अमरपाटन के सिविल अस्पताल में क्षय रोग (टीबी) के मरीजों के लिए 155 पोषण किट वितरित किए। यह प्रयास भारत सरकार के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) और प्रधानमंत्री क्षय मुक्त भारत अभियान के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाना है। पोषण किट का वितरण टीबी मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार, उपचार के परिणामों को बेहतर बनाने और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए किया गया। यह कदम विशेष रूप से उन मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है जो कुपोषण के कारण उपचार में बाधा का सामना करते हैं। कार्यक्रम का समन्वय डॉ पूजा गुप्ता, जिला क्षय अधिकारी, उनके सहयोगियों और कंपनी के अधिकारियों द्वारा किया गया। श्री पी के चौधरी ने कहा कि क्षय मुक्त मैहर हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। पोषण किट का वितरण न केवल मरीजों के लिए उपचार को प्रभावी बनाने में मदद करेगा, बल्कि यह समाज में टीबी के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा। हम इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेंगे

शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क सुरक्षा को लेकर हुई बैठक

आयुक्त नगरीय प्रशासन ने बेहतर समन्वय के दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क सुरक्षा को लेकर बुधवार को आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे की अध्यक्षता में पालिका भवन में बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं जैसे गृह, लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, स्मार्ट सिटी, नगर निगम भोपाल, कलेक्टर कार्यालय भोपाल, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (स्क्रा) के प्रतिनिधि मौजूद थे। बैठक में आयुक्त नगरीय प्रशासन ने भोपाल शहर में विभिन्न सड़क निर्माण एजेंसियों द्वारा बनायी जा रही सड़कों की संरचना एवं संकेतकों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने एजेंसियों के प्रतिनिधियों से कहा कि राजधानी भोपाल की सड़क सुरक्षा मानकों के अनुरूप होना चाहिये। उन्होंने इण्डियन रोड कांग्रेस के दिशा-निर्देश के अनुसार संकेत एवं मॉर्किंग अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिये।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये समन्वय जरूरी: आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री भोंडवे ने एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे अपने अधिकार क्षेत्र की सड़कों पर यूनिफार्म स्टेण्डर्ड का पालन करें और नियमित रूप से रख-रखाव की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। बैठक में सड़क निर्माण से जुड़े अभियंताओं, विशेषज्ञों और सलाहकारों को इंस्टीट्यूट ऑफ हाईवे इंजीनियर्स से प्रशिक्षण प्राप्त करने की सिफारिश की गयी। बैठक में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और विज़न-2047 के अनुरूप ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम तैयार करने के संबंध में भी सुझाव दिये गये।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल के छात्रों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

संत हिरदाराम नगर। आयुष मंत्रालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नैचुरोपेथी एवं योगिक साइंसेस में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था जिसमें शहर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।संत नगर के प्रतिष्ठित सीबीएसई मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने आयोजित प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवांवित किया। शिक्षिका सुश्री हुमा खान के मार्गदर्शन में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान क्रिशीव सेठी, द्वितीय स्थान मोक्ष छुगानी एवं तृतीय स्थान कृष हरचंदानी तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता में शिक्षिका सुश्री मरियम रईस के नेतृत्व में यशराज गुलानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सपरिवार योगासन प्रतियोगिता में शिक्षक श्री संत चौराह के नेतृत्व में छात्र हर्षल पाठक ने योगा आसना में तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजयी रहें छात्रों को पुरस्कार स्वरूप धन-राशि, प्रमाण पत्र एवं ट्राफी से सम्मानित किया गया।

मोदी ने आपातकाल में कांग्रेस की सच्चाई को गांव गांव पहुंचाकर जनता को जागृत किया था: पाटिल

लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों से देश को वास्तविक आजादी मिली: विष्णुदत्त शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को आपातकाल दिवस पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर मीसाबंदियों का सम्मान किया। केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि देश आजाद होने के बाद लोकतंत्र का राज था। लोकशाही शासन था, लेकिन कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाहता था, इसलिए लोकतंत्र का गला घोटकर आपातकाल लगाया था। कांग्रेस देश की जनता के साथ विश्वासघात करने वाली राजनीतिक पार्टी है। संविधान का गला घोटने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता संविधान की प्रति हाथ में लेकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल में भूमिगत होकर कांग्रेस की सच्चाई को गांव-गांव पहुंचाकर जनता को जागृत किया था। आज देश की जनता कांग्रेस पर भरोसा करना बंद कर चुकी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आपातकाल भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता में वर्चस्व बनाएं रखने के लिए आपातकाल लगाया था। लोकतंत्र सेनानियों के संघर्षों से देश को वास्तविक आजादी मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत माता के गौरव को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए कार्य कर रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत प्रदेश कार्यालय परिसर में पौधारोपण किया एवं आपातकाल दिवस पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया।

केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि आपातकाल दिवस देश की जनता को यह याद दिलाता है कि संविधान का गला घोंटने वाली ताकतों से कैसे लड़ना चाहिए। इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी ने अपने निज स्वार्थों के लिए संविधान में कई संशोधन किए। आपातकाल लगाने के लिए कुछ परिस्थितियां होती हैं, लेकिन जब कांग्रेस की श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया तब न तो

देश युद्ध लड़ रहा था और न ही कोई आंतरिक समस्या थी। यह आपातकाल सिर्फ इसलिए लगाया गया था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया था। कांग्रेस और इंदिरा गांधी को हाथ से देश की सत्ता जाते हुए दिखी, इसलिए देश में आपातकाल लगा दिया गया। कांग्रेस के नेहरू-गांधी परिवार राजशाही में राज करना चाह रहे थे, इसलिए भी देश में आपातकाल लगाया गया, ताकि कांग्रेस का नेहरू-गांधी परिवार देश पर राज करता रहे। आपातकाल में संविधान को निलंबित कर उन सबको जेल में डाल दिया गया था, जो संविधान को बचाने के लिए, देश के लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए कार्य कर रहे थे। जनसंघ से लेकर उन सभी राष्ट्रवादी विचारों को आगे बढ़ाने वाले संस्थाओं के अलावा उन पत्रकारों को भी जेल में डाला गया था, जो आपातकाल को लेकर कांग्रेस की सच्चाई जनता के सामने लाना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आपातकाल के समय भूमिगत होकर गांव-गांव जाकर लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को सहायता पहुंचाने के साथ जनता को कांग्रेस की सच्चाई बताने का कार्य कर रहे थे। आज देश की जनता कांग्रेस की सच्चाई को समझ चुकी है और कांग्रेस अस्ताचल की ओर बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस ने एक परिवार को संविधान से ऊपर रखने का प्रयास किया है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी संसद में शपथ लेते समय संविधान की प्रतियां हाथ में लेकर संविधान का रक्षक बनने का नाटक करते हैं। लेकिन उनके हाथ में जो संविधान होता है, उसके अंदर कोई दस्तावेज नहीं होता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश पर आपातकाल थोपकर संविधान का गला घोंटा था। यह घटना भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की सबसे दुखद और शर्मनाक घटनाओं में से एक है। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सबसे बड़ा हमला था। आपातकाल लगाने का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार का सत्ता पर वर्चस्व बनाए रखने की लालसा में संविधान को रौंदने का कुत्सित प्रयास था। लेकिन आज उन्हीं इंदिरा गांधी के परिवार के लोग संविधान हाथ में लेकर उसकी दुहाई दे रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी और संजय गांधी ने जिस तरह से न्यायालय और संविधान का अपमान किया आज भी उस परिवार के लोग वही कर रहे हैं। इंदिरा गांधी ने अगर न्यायालय को नीचे दिखाया, लोकतंत्र को कुचला, तो राहुल गांधी देश की संसद द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रतियां सार्वजनिक रूप से फाड़ते हैं। शर्मा ने कहा कि 1977 में देश की जनता ने कहा कि लोकतंत्र के हत्यारे अब नहीं चलेंगे और जनता ने सत्ता बदल दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते समय कहा था कि इस सरकार के पीछे कई पीढ़ियों का बलिदान है, संघर्ष है, त्याग और तपस्या है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए कष्ट सहने वाले, अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले ऐसे सभी सेनानियों को मैं प्रणाम करता हूं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भारत माता के गौरव को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। लेकिन हमारी यह यात्रा उन हजारों लाखों लोगों के संघर्षों, बलिदानों से होकर गुजरी है, जिन्होंने आपातकाल के दौरान अपार कष्ट सहा और प्रताड़ना झेली है। श्रद्धेय अटल , आडवाणी , जार्ज फर्नांडीज जैसे हजारों नेताओं को जेल में डाल दिया गया। आपातकाल के दौरान कितने ही लोगों का वन समाप्त कर दिया गया और कितने ही परिवारों की खुशियां छीन ली गईं। करीब सवा लाख लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। नागरिक स्वतंत्रता का दमन किया गया। जिस कलम ने आपातकाल के खिलाफ लिखने की कोशिश की, उसे तोड़ दिया गया। 3800 अखबारों को बंद कर दिया गया और 327 पत्रकारों को जेलों में ठूंस दिया गया। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता आपातकाल के इस काले सच को जनता तक पहुंचाएं। कार्यक्रम को लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश संयोजक तपन भौमिक ने संबोधित कर आपातकाल से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाए। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सिंह जादौन, प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक, जिला प्रभारी महेंद्र सिंह यादव, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति एवं नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संविधान हत्या दिवस के अवसर पर संगोष्ठी संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

देश में आपातकाल लागू होने की 50 वीं वर्षगांठ को बुधवार को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल विभीषिका विषय पर संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व 25 जून 1975 को जिन लोगों ने देश में आपात काल लागू किया था, वे ही इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट, राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री अजय विश्नोई, श्री महेंद्र हार्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। संगोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ी। उस दौर में हजारों निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के योगदान का स्मरण भी किया।

राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश की आजादी की दूसरी लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किसी की भी संपत्ति जप्त की जा सकती थी। आपातकाल के दौरान लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था तथा संसद की बैठक के लिए कोरम की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। राज्यसभा सांसद श्री त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय-पालिका के साथ साथ मीडिया पर भी नियंत्रण लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि देश में वास्तविक लोकतंत्र आपातकाल की समाप्ति के बाद ही लागू हुआ है। राज्यसभा सांसद श्री त्रिवेदी ने कहा कि देश में वैचारिक स्वतंत्रता पाने की लड़ाई आज भी जारी है। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हमें आत्म गौरव का आभास होने लगा है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि लोकतंत्र हमारे देश में 1947 से नहीं बल्कि हजारों वर्ष पूर्व से लागू रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तो है ही, साथ ही लोकतंत्र की जननी भी है।

पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने आपातकाल में अपनी जेल यात्रा के अनुभव सुनाए। उन्होंने बताया कि 25 जून की रात में ही देश में सभी विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय-पालिका के साथ साथ मीडिया पर भी नियंत्रण लागू किया गया था: त्रिवेदी

भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए जल्द मिलेगी रेल सुविधा

प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। भोपाल के पास रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी दो माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर किया एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्व स्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई हैं। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान है। देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है। अब भोपाल में भी अक्टूबर से मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी को लोकार्पण के लिए आमंत्रण दिया है। प्रदेश में रेलवे एक लाख करोड़ रुपए की योजनाओं का संचालन कर रहा है। भोपाल के पास रायसेन जिले के उमरिया गांव में आगामी दो माह में रेल कोच बनाने के कारखाने का भूमि पूजन होने वाला है, यह कारखाना बीएचईएल के बराबर होगा। दिल्ली-नागदा-रतलाम का चार ट्रैक का होना रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकास का परिचायक है। जल्द ही भोपाल से राजगढ़ होते हुए झालावाड़ के लिए रेल सुविधा आरंभ होने वाली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय उपस्थित थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाते हुए अब भोपाल स्टेशन पर स्पेशल और वीआईपी लाउंज का शुभारंभ हो रहा है।

यहां मात्र 50 रुपए में यात्रियों को सुविधा मिलेगी। वहीं एक सौ रुपए में लाउंज में रीफ्रेशमेंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल को विश्वस्तरीय रानी कमलापति स्टेशन की सौगात मिल चुकी है। रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 84 करोड़ की लागत से बीते दिनों नर्मदापुरम, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और ओरछा सहित प्रदेश के 6 स्टेशनों को आधुनिक बनाने का कार्य किया है। प्रदेश से चल रहीं 4 वंदेभारत ट्रेन 14 राज्यों को कनेक्ट करती हैं। अलग-अलग जिलों में इन स्टेशनों के 18 स्टापेज हैं। वंदेभारत के रखरखाव के लिए 100 करोड़ की लागत से नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने बदलते दौर में आत्मविश्वास पाया है, प्रदेशवासियों के जीवन में भी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन सिंहस्थ के लिए भी रेलवे सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य जारी है। रेल मंत्रालय ने इंदौर-मनमाड़ और इंदौर-दाहोद रेललाइन के लिए 18.5 हजार करोड़ की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन शुरू होने से गुना- राजगढ़ सीधे मुंबई से जुड़ेंगे। वर्तमान में दिल्ली से मुंबई जाने वाली रेलगाड़ियां ग्वालियर, भोपाल, इटारसी और खंडवा के रास्ते गुजरती है। इंदौर-मनमाड़ रेललाइन शुरू होने पर दिल्ली-मुंबई रूट पर लगभग 200 से 250 किलोमीटर दूरी कम होगी जिससे यात्रियों का समय बचेगा और प्रदेश को विकास की नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मना रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ, जिसमें 30 लाख करोड़ का अभूतपूर्व निवेश मिला है। प्रदेश में औद्योगीकरण को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार संभाग स्तर पर हर सेक्टर पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 27 जून को एमएसएमई डे के अवसर पर रतलाम जिले में उद्योग संवर्धन को समर्पित बड़ा आयोजन होने जा रहा है इससे जनजातीय क्षेत्रों को लाभ होगा। राज्य सरकार आईटी, हेल्थ, फूड प्रोसेसिंग जैसे सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए कार्य कर रही है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे व्यवस्था उन्नत हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की स्वच्छता को लेकर प्रतिबद्धता रेलवे संचालन के सभी पक्षों में परिलक्षित होती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में विकास और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी ने कहा कि रेलवे को आधुनिक बनाने और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अनेक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर 10 हजार स्क्वायर फिट क्षेत्र में लाउंज में यात्रियों के आराम और खान-पान के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री आतिफ अकील, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री रवींद्र यति तथा समाज सेवी श्री राहुल कोठारी सहित रेलवे अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

ब्लड सेपरेशन यूनिट रीवा में स्वास्थ्य सेवाओं को करेगी सुदृढ़: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

ब्लड बैंक एवं ब्लड सेपरेशन यूनिट का किया शुभारंभ, रक्तदान का किया आह्वान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा मेडिकल हब बन रहा है ऐसे समय में ब्लड सेपरेशन यूनिट रीवा के लिये बड़ी सौगात है। यह सेवा स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगी। ब्लड सेपरेशन यूनिट में एक व्यक्ति द्वारा दिये गये रक्तदान से चार व्यक्तियों की रक्त की आवश्यकता की पूर्ति हो जाती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रेडक्रॉस भवन रीवा में भारतीय रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित किये जाने वाले ब्लड बैंक एवं ब्लड सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संजय गांधी अस्पताल के अतिरिक्त रेडक्रास सोसायटी का ब्लड बैंक व ब्लड सेपरेशन यूनिट मरीजों की रक्त उपलब्धता में सहायक होगा। उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़ कर रक्तदान करने की अपील की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मैंने भी लगभग 30 बार रक्तदान किया है। रक्तदान से किसी जरूरत मंद की मदद होती है। अतः आगे बढ़कर रक्तदान करें ताकि ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त की उपलब्धता रहे व जरूरतमंद को सुविधा से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि रीवा में संजय गांधी अस्पताल के पुर्नरूद्धार एवं नवीनीकरण के लिये 325 करोड़ रूपये तथा नवीन मशीनों की स्थापना के लिये 100 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत किये गए हैं। रीवा में 200 विस्तर का कैंसर अस्पताल निर्माणाधीन है। इन सब उपलब्धियों के साथ ब्लड सेपरेशन यूनिट का अपना विशेष महत्व रहेगा। उन्होंने यूनिट की स्थापना के लिये रेडक्रास के चेयरमैन व पदाधिकारियों द्वारा किये गये प्रयासों के लिये साधुवाद दिया तथा इसके व्यवस्थित संचालन की अपेक्षा की। बताया गया कि ब्लड सेपरेशन यूनिट 24 घंटे कार्य करेगी। यहां रक्त को चार भागों में विभक्तीकरण कर मरीजों को उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी। अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, भारतीय रेडक्रास सोसायटी रीवा के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी सहित रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारी, सदस्य, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि व गणमान्यजन एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्लोबल स्किल्स पार्क में तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए परिचर्चा आयोजित

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का ध्येय है। श्रेष्ठ नागरिक निर्माण के लिए विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के साथ भारतीय दृष्टि की आवश्यकता है। विद्यार्थियों में मात्र विषयविद् नहीं बल्कि मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना होगा। विद्यार्थियों के लिए ऐसी पद्धति तैयार करनी होगी, जिससे समाज के प्रश्नों का समाधान भी निकले एवं समाज में मानवीय मूल्यों का परंपरागत संरक्षण एवं संवर्धन भी हो। मंत्री श्री परमार मंगलवार को भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के सभागृह में तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय परिचर्चा को संबोधित किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि उद्योग जगत एवं बाजार की आवश्यकता अनुरूप विद्यार्थियों को स्किल्ड बनाने के लिए पाठ्यक्रम निर्माण की आवश्यकता है। हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति की ओर बढ़ रहे हैं। इस दिशा में प्रतिबद्धता की भावना से आगे बढ़ने से लक्ष्य साकार हो सकेगा। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत अतीत में विश्वगुरु रहा है और वर्तमान परिदृश्य को पुनः गौरवशाली बनाने के लिए भारतीय दृष्टिकोण धारक व्यक्तित्व निर्माण की आवश्यकता हैं। श्री परमार ने कहा कि हर क्षेत्र - हर विधा में, भारत की गौरवशाली उपलब्धियां रही है। भारत के गौरवशाली ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत कर हीन भावना से मुक्त होना होगा। तकनीकी एवं इंजीनियरिंग क्षेत्र में भी हजारों वर्षों से भारतीय ज्ञान परम्परा विद्यमान है। आज हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान के प्रमाण मिल रहे हैं। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस संकल्प की सिद्धि के लिए विद्यार्थियों को प्रश्नकर्ता नहीं समाधानकर्ता बनाने की आवश्यकता है। श्री परमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से कार्यशील है।

भारी वर्षा और बाढ़ के पहले आंगनवाड़ी केन्द्रों में सुरक्षा और स्वास्थ्य की पुख्ता तैयारी

आयुक्त महिला बाल विकास सोफिया वली कुरैशी ने जारी किए दिशा निर्देश

भोपाल। आयुक्त महिला बाल विकास सोफिया वली कुरैशी ने आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यक तैयारियों के लिये दिशा-निर्देश जारी किये। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वर्षाकाल के दौरान आंगनवाड़ी केन्द्रों की पहुंच बाधित हो सकती है, वहीं जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में समय रहते सतर्कता और समन्वय बेहद आवश्यक है। श्रीमती कुरैशी ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्र के माध्यम से हम प्रदेश के सबसे संवेदनशील वर्ग, छोटे बच्चे और महिलाओं तक पहुंचते हैं। वर्षा ऋतु में हमारी सजगता और तैयारी ही उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी होगी।

पूरक पोषण आहार की सतत आपूर्ति सुनिश्चित

श्रीमती कुरैशी ने पहुंचविहीन क्षेत्रों की आंगनवाड़ियों में टेकहोम राशन (ञ्ज॥क्र) की निरंतर आपूर्ति के लिये संयंत्रों से समन्वय बनाने के निर्देश दिये हैं। स्व-सहायता समूहों को वर्षाकाल में भोजन की स्वच्छता बनाये रखने और मक्खी, मच्छर से बचाव और स्वस्थ पेयजल के उपयोग के निर्देश दिये हैं। हितग्राहियों को टेकहोम राशन की सुरक्षा, भण्डारण और स्वच्छता संबंधी सलाह भी दी जायेगी।

स्वास्थ्य विभाग से समन्वय

आंगनवाड़ी केन्द्रों के बच्चों के त्वारित ईलाज के लिये स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले से समन्वय कर हर परिवार को नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता और एएनएम के सम्पर्क नंबर उपलब्ध कराये जायेंगे। इन नंबरों को ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों के बाहर लिखे जाने के निर्देश दिये गये हैं। सभी केन्द्रों पर ओआरएस, जिंक, आयरन टेबलेट एवं प्राथमिक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं के सहयोग से सभी परिवारों में ओआरएस के पैकेट तथा जिंग गोलियों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जायेगी।

स्वच्छ पेयजल और सफाई व्यवस्था पर जोर

आयुक्त श्रीमती कुरैशी ने गृहभेंट में प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल, शौचालय का उपयोग करने, घर एवं घर के आसपास स्वच्छता रखने की सलाह और समझाईश देने के निर्देश दिये हैं। स्वास्थ्य एवं आशा कार्यकर्ता के सहयोग से क्षेत्र के सभी खुले जल स्त्रोतों में क्लोरिन के उपयोग से जल को पीने योग्य बनाने, हेण्डपम्प की जांच कराने और जल शुद्धि के लिये क्लोरिन टेबलेट वितरित करने की व्यवस्था की जायेगी। पानी एकत्रित होने से मच्छरों अथवा अन्य बीमारियां न हो इसके लिये पंचायत के सहयोग से पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता, ग्रामों में पेयजल स्त्रोतों, हेण्डपम्प, कुओं, सार्वजनिक नल के आसपास पानी की उचित निकासी की व्यवस्था की जायेगी। श्रीमती कुरैशी ने निर्देश दिये हैं कि अतिवर्षा या बाढ़ की स्थिति में निचले क्षेत्रों रहने वाले परिवारों को पंचायत के सहयोग से सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित पहले से करने की योजना पहले से तैयार की जाये। राहत और बचाव कार्यों के लिये स्थानीय समाजसेवी संस्थाओं, काउंसलर्स आदि को सूचीबद्ध कर समन्वय किया जाये। बाढ़ की स्थिति में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाये।

आयुक्त श्रीमती कुरैशी ने सभी जिला कार्यक्रम अधिकारियों, परियोजना अधिकारियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से इन निर्देशों का स्थानीय स्तर पर गंभीरतापूर्वक पालन करने और समुदाय के सहयोग से सतत निगरानी बनाये रखने की अपील की।

संपादकीय

पाकिस्तान का ईरान के साथ 'डबल गेम'

रूस, चीन, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग की थी। उन्होंने 'बिना शर्त युद्धविराम' का प्रस्ताव भी पेश किया। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर और अमरीका के एकतरफा, विनाशक हमले के संदर्भ में उन देशों ने नागरिकों की सुरक्षा, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अक्षरशः पालन किए जाने के प्रति अपने सरोकार और चिंताएं व्यक्त की थी। पाकिस्तान इनमें फर्जी और चालबाज देश है, क्योंकि वह ईरान के साथ 'डबल गेम' खेल रहा है। उसने अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को 'मुस्लिम भाईचारा' भी दिखाना है। बहरहाल ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को व्यावहारिक तौर पर 'खोखली' और 'दंतहीन' एजेंसी करार दिया है और न्याय, शांति मांगने उसी के दरबार में हाजिरी लगाई गई। बैठक के दौरान कूटनीति और आपसी संवाद के खूब बयान दिए गए और अमरीका, इजरायल को आरोपित किया गया कि वे सिर्फ हथियार और हत्याओं की भाषा ही जानते हैं। सुरक्षा परिषद को 'अमरीका की कठपुतली' तक करार दिया गया। फिर सुरक्षा परिषद में शांति, स्थिरता, युद्धविराम के प्रस्ताव कैसे पारित हो सकते थे? अमरीका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर जो हमले किए, परमाणु कार्यक्रमों में जो विध्वंसक विस्फोट हुए होंगे, उनके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक बुलाई थी। इजरायल परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है और उसके पास 90 परमाणु बम बताए जाते रहे हैं। बहरहाल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमरीका और इजरायल ने पहली बार हमले नहीं किए हैं। करीब 15 साल पहले उन्होंने 'नतांज' परमाणु ठिकाने पर अत्यंत परिष्कृत साइबर हथियारों से हमला किया था। तब ईरान के करीब 20 फीसदी, करीब 5000 सेंट्रीफ्यूज, विस्फोट में 'मिट्टी-मलबा' कर दिए गए थे, लेकिन ईरान ने उन्हें न केवल दोबारा बना लिया, बल्कि अधिक परिष्कृत उपकरण भी स्थापित किए। अमरीकी हमले से पहले, इसी माह, ईरान के पास करीब 19,000 सेंट्रीफ्यूज ऑपरेशनल थे। यानी ईरान परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया में है। ये किसी के आरोप नहीं हैं, बल्कि आईएईए ने इन प्रक्रियाओं की पुष्टि की है। आईएईए ने कहा है कि अमरीकी हमले में नतांज और इस्फहान के अलावा फोर्डो के भूमिगत परमाणु कार्यक्रमों को भी 'महत्वपूर्ण नुकसान' पहुंचा है। यूरेनियम संवर्धन संयंत्रों को कितना नुकसान पहुंचा है या वे बिल्कुल ही तबाह हो गए हैं, यह अभी नहीं कहा जा सकता।

यादों में आपातकाल-दो

जब जेपी की हुंकार से सिंहासन हिल उठे!

जयराम शुक्ल

कांग्रेस के अध्यक्ष देवकांत बरुआ का नारा इंदिरा इज इंडिया गली कूँचों तक गूँजने लगा। इसी बीच मध्यप्रदेश में पीसी सेठी को हटाकर श्यामाचरण शुक्ल को मुख्यमंत्री बनाया गया। अखबारों की हालत यह कि पहले पन्ने से लेकर आखिरी तक इंदिरा गांधी, संजय गाँधी उनके चमचों की खबरों से पटे। हर हफ्ते कहीं न कहीं रैलियाँ, सभाएं। भीड़ जोड़ने का काम स्कूल के प्राचार्यों, हेडमास्टरों को दे दिया गया। शहर में कोई बड़ा नेता आता तो स्कूलों के सामने बसें लगवा दी जातीं और रैली सभाओं में हम बच्चे भीड़ बढ़ाने, नारे लगाने के लिए भेजे जाते।

जब नवमी पढ़ रहा था तभी श्यामाचरण शुक्ल का हमारे शहर दौरा बना। वे यहाँ हवाई जहाज से आने वाले थे। उनकी सभा के लिए यहाँ के सबसे बड़े खेल के मैदान में पंडाल लगाया गया। मेरी याद में इतना बड़ा पंडाल आज तक नहीं देखा। जिस दिन मुख्यमंत्री को आना था चार बसें स्कूल के दरवाजे पर लगवा दी गईं। कक्षाएं स्थगितकर बच्चों को बस में हवाई पट्टी भेज दिया गया। वहां पता चला कि श्यामाचरण शुक्ल आने वाले हैं, हम लोगों को उनका स्वागत करना है।

पहले तो अच्छा लगा कि जिंदगी में पहली बार नजदीक से हवाई जहाज और मुख्यमंत्री देखने को मिलेंगे। लेकिन घंटे भर इंतजार करते-करते मुट्ठियों में रखे गेंदे के फूल सूखने लगे जो हम बच्चों को मुख्यमंत्री के ऊपर बरसाना था। हम प्यास से बिलबिलाने लगे। भूख भी लग आई, ऊपर से क्वाँर-कार्तिक की तेज धूप। कुलमिलाकर कर पहली बार इमरजेंसी इतनी जालिम लगी।

नेता पर बरसाने के लिए दिए गए फूल ही चबाकर कर भूख शांत करने की जैसी ही चेष्ठा की वैसे ही नारा गूँज उठा ..श्यामा भैय्या आए हैं नई रोशनी लाए हैं। वस्तुस्थिति यह थी कि हम बच्चों के आँखों के सामने दिन-दोपहर ही भूख-प्यास के मारे अँधेरा छाने लगा था। सामने से खुली जीपपर बंद गले की नीली कोट पहने श्यामाचरण जी मुस्कराते निकल गए। हम लोग कैसे भी वापस शहर पहुंचे.. और शेष समय इमरजेंसी और उसके नेताओं को गरियाते हुए बिताया जिनकी वजह से भूखे-प्यासे मरना पड़ा।

शाम को कौतूहल देखने सभास्थल गए तो पता चला कि यहां भीड़ जोड़ने का जिम्मा दूसरे स्कूलों पर है। सभा में स्कूली बच्चों के झुंड थे उधर नेताओं के भाषण चल रहे थे। शाम की आकाशवाणी की न्यूज बुलेटिन में मुख्यमंत्री की रैली और सभा में उमड़ी भारी भीड़ का जिक्र था और स्थानीय अखबारों का पहला पन्ना उनकी तस्वीरों व भाषणों से भरा था। समूचे देश में यही चल रहा था। जमीन उत्तरोतर खिसक रही थी पर प्रायोजित भीड़ ऊपर के नेताओं को ऐसे ही चकमा देती रहती। 77 में भीड़ और रैलियों के ऐसे ही खुफिया फीडबैक की वजह से इंदिरा जी आम चुनाव के लिए राजी हुईं।

जनता सरकार कैसे गिरी.. ऐसे विषयों की समझ तब बननी शुरू हुई जब 1983-84 में पत्रकारिता का छात्र था। खबरों की दुनिया के मुहाने पर बैठकर जल्द ही उन सभी जिग्यासाओं का समाधान तलाशता था, जो बेचैन किया करती थीं। अखबारों में व्यंग्य स्तंभों का चलन उन दिनों काफी लोकप्रिय था। इसी तरह के किसी स्तंभ में एक किस्सा पढ़ा जो कुछ यूँ था- दैवयोग से एक बार किन्नरों के घर एक बच्चा पैदा हुआ। दूसरों के बच्चों के जन्मने पर नाचने गाने वाले किन्नरों के ही घर जब यह सुअवसर आया तो फिर कैसा जश्न हुआ होगा समझ सकते हैं। नाचने गाने की खुशी के बाद इस बात पर बहस चल पड़ी कि बच्चे को नाम किसका दिया जाए। बहस गंभीर होती गई। एक बूढ़े किन्नर ने सुझाया कि वरिष्ठता के क्रम में सभी एक-एक करके उसका बाप होने का सुख लें। समझाइश काम कर गई। सब बारी-बारी से उसे लाडप्यार करने लगे। जब आखिरी किन्नर की बारी आई तो उसने देखा बच्चे की सांस थम गई है, नाड़ी भी नहीं चल रही। यानी कि लाडप्यार के चक्कर में इतना भी ख्याल नहीं रहा कि इसे दूध और घुट्टी वगैरह भी चाहिए। बच्चे की आसमयिक मौत हो गई। 77 की जनता पार्टी की सरकार 80 आते-आते इसी तरह गिर गई।

इमरजेंसी क्यों लगी? इस पर दर्जनों पुस्तकें आ चुकी हैं। हजारों से ज्यादा विश्लेषण और आलेख छप चुके। अब भी हर साल इसकी बरसी पर लेख आते हैं। इमरजेंसी को दूसरी गुलामी कहा जाता है। गिरफ्तार होने वाले अब लोकतंत्र के सेनानी हैं। कई सरकारों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भाँति पेंशन बाँध दी और भी कई सुविधाएं दी।

इस बीच राजनीति से दूर सर्वोदय आंदोलन से जुड़े जयप्रकाश नारायण से सत्ता की स्वेच्छाचरिता देखी नहीं गई। उन्होंने इंदिरा गांधी को पत्र लिखा कि वे अपने मुख्यमंत्रियों के भ्रष्टाचार और सत्ता की स्वेच्छाचरिता पर लगाम लगाएं। एकछत्र साम्राग्यी बन चुकीं इंदिरा जी को जेपी की यह समझाइश नागवार लगी। जबकि जेपी ने यह पत्र साधिकार लिखा था क्योंकि कि वे इंदिरा जी को अपनी भतीजी मानते थे। यह इतिहास जानता है कि कमला नेहरू और जेपी के बीच सीता और लक्ष्मण जैसे रिश्ते रहे। जेपी नेहरू द्वारा प्रस्तावित किए गए उप प्रधानमंत्री का पद भी अस्वीकार कर चुके थे।

जेपी के पत्र के जवाब में इंदिरा जी ने अखबारों में यह तंज कसा कि ÷उद्योगपतियों के पैसे से पलने वाले कुछ लोग भ्रष्टाचार की बात करते हैं÷। यह बयान पढ़कर जेपी ने अपना आर्थिक ब्योरा, आमदनी और खर्च, सबकुछ लौटती डाक से इंदिरा जी को भेज दिया। इंदिरा जी के इस बयान को उन्होंने एक चुनौती के मानिंद लिया और उसी दिन तय कर लिया कि इस स्वेच्छाचारी सरकार को जड़ से उखाड़ फेकेंगे।

विपक्ष लस्त-पस्त था। जेपी ने छात्रों और युवाओं में उम्मीद देखी। उन्होंने गुजरात जाकर छात्रों के ÷नवनिर्माण आंदोलन÷ को अपना समर्थन दिया। आंदोलन की चरम परणित चिमनभाई सरकार के इस्तीफे से हुई। इस सफलता की आँच पूरे देश ने महसूस की। बिहार में अब्दुल गफूर सरकार के खिलाफ मोर्चा खुल गया। जेपी ने %युवा छात्रसंघ% की स्थापना करके देश भर के विद्रोही छात्रों और युवाओं को जोड़ लिया।

खैर इंदिरा जी इस्तीफा देने का मन बना चुकीं थी। उपचुनाव से चुनकर आने तक के लिए कमलापति त्रिपाठी को प्रधानमंत्री बनने की बात भी हो चुकी थी। यदि ऐसा होता तो लोकतंत्र में आपातकाल का कलंक टल जाता। पर जिन दो लोगों ने इसे टलने नहीं दिया उनमें से एक थे संजय गांधी और दूसरे पं.बंगाल के मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे। दून स्कूल से फेल और इंग्लैण्ड में रोल्स रायस में मैकेनिकी कर नककटाई करवा चुके संजय गांधी की महत्वाकांक्षा परवान पर थी और यह अच्छा मौका था जब सत्ता के सूत्र वे अपने हाँथों सँभाल लें।

परिणाम यह हुआ कि कैबिनेट की स्वीकृति लिए बगैर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से मिलकर 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इसके बाद जो कुछ हुआ वह देश ने और समूची दुनिया ने देखा।

यादों में आपातकाल
(भाग 3 कल के अंक में पढ़िये)..

आपातकाल की कहानी

राकेश दुबे

25 जून, 1975 आजाद भारत का वह मनहूस दिन था, जिस दिन तात्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी गद्दी को बचाने के लिए देश में आपातकाल ठोक दिया था । पूरे देश को जेल की काल कोठरी के रूप में तबदील कर दिया, अखबारों पर, मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया। बोलने की स्वतंत्रता व संविधान में दिए गए सभी अधिकारों को समाप्त करते हुए सत्ता का केन्द्रीयकरण प्रधानमंत्री के हाथ में कर दिया और देश में तानाशाही लागू हो गई। तब आजाद भारत में जब पुलिस की गाड़ी आती है, एक एम्बुलेंस आती है और राह चलते किसी भी पुरुष या महिला को अस्पताल ले जाकर उसकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है।

गांव के चौराहे पर पुलिस की गाडि?ां आती , बस लगाई जाती है और जितने भी जवान, बुजुर्ग, महिला, पुरुष वहां दिखते हैं, सबको बसों में भरा जाता है और नसबंदी के कैम्प में ले जाकर सबकी नसबंदी अथवा नलबंदी कर दी जाती है। इससे भी बढ?र जरा सोचकर देखें कि नव विवाहित पुरुष अथवा नव विवाहिता की नसबंदी अथवा नलबंदी की गई ।यह कोई कहानी नहीं है बल्कि आपातकाल में श्रीमती इंदिरा गांधी के राज में यह हर गांव, हर घर की कहानी बन गई थी और पुलिस की गाड़ी गांव में आते ही देखकर लोग खेतों में, पहाड़ों में, जंगलों में भाग जाया करते थे कि कहीं उनका ऑपरेशन न हो जाए।

इस प्रकार की दहशत, इस प्रकार का अमानवीय कृत्य, ये आजाद भारत में 19 महीने तक हुआ। तब आप किसी सरकारी कार्यालय में गए हैं और आपने आपातकाल की कोई चर्चा भी कर डाली तो रात होने से पहले आप जेल की सलाखों के पीछे , ये थी तानाशाही की पराकाष्ठा। प्रेस पर प्रतिबंध लगने के कारण हमने निर्णय लिया साईकलो स्टाईल मशीन द्वारा अखबार छापने का। बहुत बड़ा खतरा मोल लेते हुए तीन महीने तक अखबार भी निकाला। जो कांग्रेस पार्टी आज संविधान के रक्षक बनने का ढोंग रच रही है, उसने आजाद भारत में संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए 24 जून की अर्द्धरात्रि में राष्ट्रपति महोदय के दस्तखत करवाकर आपातकाल लगा दिया और लाखों लोगों को एक ही रात में जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया। इमरजेंसी केवल कांग्रेस की सरकार बनी रहे, बची रहे, इसलिए लगाई गई थी।

श्रीमती इंदिरा गांधी के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला देते हुए उन्हें प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ होने के आदेश दिए थे, लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी ने उन आदेशों को ताख पर रखते हुए देश में आपातकाल लगा दिया और सर्वशक्तिमान बन बैठी। श्रीमती इंदिरा गांधी ने उद्घोष करवाया 'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा', अर्थात भारत केवल इंदिरा गांधी से है।, जिन्होंने अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए, वोटों को प्राप्त करने के लिए लगभग 88 बार संविधान में परिवर्तन किए

आपातकाल को हटाने के लिए पूरे देश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन किया, जेलें भरी, यातनाएं सही, तब जाकर 19 महीने बाद चुनाव की घोषणा हुई और भारत की जनता ने तानाशाही का अंत किया और लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई।

धारा 370 के बाद - बदलता कश्मीर

शिवप्रकाश

ऑपरेशन सिन्दूर के बाद मिशन ÷पाक बेनकाब÷ के लिए संजय झा के नेतृत्व वाले इंडोनेशिया गए डेलीगेशन में सम्मिलित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि ÷कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना मोदी सरकार का सही कदम था। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने से कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रगति एवं आर्थिक समृद्धि आयी है।÷ 5 अगस्त 2019 को धारा 370 का हटाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय ऐतिहासिक, साहसिक, देश की एकात्मता को पुष्ट करने वाला एवं कश्मीर के विकास में मील का पत्थर सिद्ध हो रहा है।

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार कश्मीर महर्षि कश्यप एवं माता सती की भूमि है। सम्राट अशोक एवं कुषाण वंश के शासन काल में कश्मीर की भूमि पर बौद्ध धर्म का प्रभाव रहा है। सम्राट ललितादित्य के शासनकाल में कश्मीर का विस्तार हुआ एवं संस्कृत भाषा को भी सम्मान मिला। श्रीनगर के पास स्थित श्रीशंकराचार्य मंदिर आज भी जगद्गुरू शंकराचार्य जी की दिग्विजय का स्मरण कराता है। कालांतर में मुस्लिम आक्रांताओं के मतांतरण के कारण कश्मीर में मुस्लिम जनसंख्या की वृद्धि हुई।

स्वतंत्रता के समय देश की अन्य रियासतों के समान ही कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने कश्मीर रियासत का भारत के साथ विलय, विलयपत्र पर हस्ताक्षर करके किया था। शेख अब्दुल्ला के दबाव के कारण कश्मीर में धारा 370 का लगाना प्रधानमंत्री नेहरू जी का एक अदूरदर्शी कदम था। जो देश की एकात्मता एवं अखंडता में विभेद उत्पन्न करता था। उस समय भारतरत्न डॉ बाबासाहब अंबेडकर जी जैसे अनेक नेताओं ने प्रधानमंत्री नेहरु जी के इस कदम का विरोध भी किया था। भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने ÷एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे÷ के उद्घोष के साथ देशव्यापी आंदोलन किया था। जिसमें 23 जून 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनका बलिदान भी हो गया। तभी से भारतीय जनसंघ तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी का घोषित लक्ष्य धारा 370 को हटाना रहा था। जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल में 5 अगस्त 2019 को पूर्ण किया।धारा 370 हटने के उपरान्त सामाजिक एवं आर्थिक न्याय को समर्पित केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन के कारण कश्मीरी लोगों को भी इसका लाभ मिलने लगा, जो अभी तक इससे वंचित थे। अब सभी भारतीय नागरिक कश्मीर में भूमि का क्रय कर सकते हैं। इसके कारण 500 संपत्तियों की रजिस्ट्री एवं 3.5 हजार करोड़ का रियल एस्टेट में निवेश कश्मीर को प्राप्त हुआ। कश्मीर से बाहर कश्मीरी लड़कियों के विवाह करने पर पैतृक संपत्ति से वंचित होने के नियम से मुक्ति, महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम है। पाकिस्तान से विस्थापित 1.5 लाख परिवार जिसमें वाल्मीकि, अनुसूचित जाति, जनजाति शरणार्थी अधिक हैं, उनको भी नागरिक अधिकार प्राप्त हो गए है। 35 लाख लोगों को निवास प्रमाणपत्र मिलें है। शिक्षण संबंधी कानून लागू होने के कारण 10 लाख से अधिक बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्राप्त हुई है। गरीब एवं अनुसूचित जाति, जनजाति को आरक्षण की सुविधा भी प्राप्त हुई है। पिछड़े वर्ग में नयी जातियों का समावेश एवं कोटे में वृद्धि पिछड़े वर्ग के उत्थान में निर्णायक कदम सिद्ध हो रहा है।

औद्योगिक विकास के कारण 56,000 करोड़ का निवेश जिसके कारण लगभग 80,000 लोगों को रोजगार की उपलब्धि हुई है। 1200 से अधिक स्टार्टअप भी अब विकास एवं रोजगार की गाथा लिख रहे हैं। कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प उत्पाद अब नए- नए क्षेत्रों में बाजार प्राप्त कर रहा है। 370 की समाप्ति के बाद 10,000 किलोमीटर सड़कों का सुधार एवं निर्माण कार्य हुआ है। जोजिला एवं चेनानी नाशरी सुरंगों द्वारा मार्ग की दूरी कम हुई है। जम्मू से श्रीनगर फोरलेन हाईवे विकास की गाथा लिख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब नदी पर चिर प्रतिक्षित जिस पुल का उद्घाटन किया वह इंजीनियरिंग का चमत्कार एवं दुनिया का सबसे ऊँचा पुल है। चिनाब पुल नदी तल से 359 मीटर ऊपर है, जो पेरिस के एफेल टॉवर से भी ऊँचा है। जिसकी प्रशंसा स्वयं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की है। आयुष्मान योजना में 13 लाख से अधिक लोगों ने अपना उपचार कराया है।

आतंक के प्रति जीरो टॉलरेंस के कारण आतंकी घटनाओं में भी निरंतर गिरावट आयी है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में बताया कि आतंकवादी घटनाओं में 92त्न की कमी आयी है। आतंकियों की नयी भर्ती में भी निरंतर गिरावट आ रही है। माँ वैष्णों देवी एवं अमरनाथ तीर्थ यात्रियों की संख्या में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। 370 हटने के बाद हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में 65त्न मतदान कश्मीर की खुशहाली का ही गवाह है। जिसमें 32,000 चुने हुए प्रतिनिधि अपनी ग्राम पंचायतों के विकास की गाथा लिख रहे हैं। जगतगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित माँ शारदा मंदिर में दीपावली एवं सरस्वती पूजन का आयोजन संपन्न हुआ जहाँ 70 वर्षो से पूजा ही नहीं हुई थी। गृहमंत्री अमित शाह जी द्वारा 23 मार्च 2023 को इसे खुलवाया गया।

जम्मू- कश्मीर की राजधानी श्रीनगर स्थित ऐतिहासिक स्थान लाल चौक पर राष्ट्रीय ध्वज लहराने के लिए भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी को कन्याकुमारी से श्रीनगर तक ÷भारत एकता यात्रा÷ का आयोजन करना पड़ा था। यह संकल्प पुलिस सुरक्षा में 26 जनवरी 1992 को तिरंगा फहराकर पूर्ण हुआ था। डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकल्प की पूर्ति में उनके महत्वपूर्ण सहयोगी थे। उसी लाल चौक में 370 समाप्ति के बाद तिरंगा शान के साथ फहरा रहा है। ल चौक में हर्षोल्लास से मनाया गया है।

धारा 370 की समाप्ति का परिणाम हुआ कि जम्मू कश्मीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷विरासत से विकास÷ की गाथा को लिख रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नागरिक कश्मीर की विकास यात्रा से प्रभावित होकर भारत के साथ जुड़ने को आतुर हैं। पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएँ विकास की इस यात्रा को रोकने का ही कुत्सित प्रयास है। भारतीय समाज सभी प्रकार के षडयंत्रों को उत्तर देते हुए भारतीय एकता और अखंडता का भाव लेकर पुनः गौरव के साथ खड़ा होगा। 11 वर्षो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऐसे ही प्रयास प्रत्येक भारतीय में यह भाव जगाने में सफल हुए हैं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह महामंत्री संगठन हैं)

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस -

गहरे ध्यान के द्वारा ही हम मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक तनावों से मुक्ति पा सकते है

योग गुरु महेश अग्रवाल

सत्य और आंनद की खोज में लगे युवाओं ने विश्वव्यापी स्तर पर योग को अपनाया है

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर सभी समाज की जयंती, महापुरुषों की जयंती, सभी धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व उत्साह पूर्वक मनाये जाते है। स्वच्छता, नशामुक्ति, वृक्षारोपण, पर्यावरण, शिक्षा, खेलकूद जैसे विषय पर जागरूकता अभियान एवं सभी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस का महत्व एवं जीवन में उपयोगिता बताते हुए साधकों को स्वस्थ रहते हुए सेवा कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया जाता है ।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि हर वर्ष 26 जून को %अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस% मनाया जाता है। हर साल लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इसे मनाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि आनंद मनुष्य की वास्तविक स्थिति है। यही कारण है कि युवा पीढ़ी अपने वास्तविक स्वभाव को जानने और इंद्रिय सुखों से मिलने वाली क्षणिक खुशियों से बाहर आकर स्थायी आनंद को प्राप्त करने के लिए योगोन्मुख हो रही हैं। योग में उन्हें जीवन का वह मार्ग दिखता है जिसमें मानव अस्तित्व के सभी पक्षों का सामना करने की क्षमता है। वे देखते हैं कि आसन और प्राणायाम उन्हें शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य प्रदान करते हैं जो स्थाई आनंद प्राप्ति के मार्ग में प्रथम चरण हैं। उनके ये विचार अपने बुजुर्गो से भिन्न हैं जो अपने अस्तित्व के इस पक्ष के विषय में चिंता नहीं करते हैं। बुजुर्ग सोचते हैं कि यदि शरीर के दुरुपयोग के कारण कहीं दर्द है, अपच है या ऐसी ही कोई अन्य तकलीफ है, तो भी उनका शरीर यदि काम कर रहा है तो सब कुछ ठीक है। लेकिन स्वास्थ्य के विषय में युवाओं की सकारात्मक अभिवृत्ति है, वे बीमारी के होने की प्रतीक्षा नहीं करते हैं, बल्कि उससे बचने के उपाय करते हैं। वे जानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य को प्राप्त करना या उसे कायम रखना स्थाई आनंद प्राप्ति के मार्ग का अगला चरण है। बुजुर्ग भले ही निरंतर तनाव में रहते हों, फिर वे अपने जीवन के इस तथ्य पर अधिक ध्यान नहीं देते हैं। इस बात पर उनका ध्यान तब जाता है जब वे किसी गंभीर मानसिक समस्या से घिर जाते हैं। युवा पीढ़ी ही सब को मानसिक शांति के सकारात्मक मार्ग पर ले जा रही है, क्योंकि विश्वव्यापी स्तर पर उन्होंने ध्यान और योग के अन्य अभ्यासों को दैनिक जीवन के एक अनिवार्य अंग के रूप में अपना लिया है। और जहाँ तक जीवन के आध्यात्मिक पक्ष की बात है, जहाँ बुजुर्गों ने पूर्वज-प्रदत्त धार्मिक विचारों को बिना समझे स्वीकार कर लिया है, या कुछ लोगों ने आधुनिकता के आवेश में धर्म को %कूड़ा% कह कर फेंक ही दिया है, वहीं युवा इस क्षेत्र में भी अग्रणी रहे हैं। उन्होंने सभी धर्मों के मूलभूत सत्य समझने और अनुभव करने की पहल की है। उन्होंने धर्मों को न तो स्वीकारा है और न ही नकारा है।

योग गुरु अग्रवाल ने इस अवसर पर योग और मन के बारें में बताया कि मन शरीर का बड़ा रहस्यात्मक अवयव है। यह सुख और दुःख, दोनों का कारण है। मन एव मनुष्याणां कारणं मोक्षबन्धयोः- इस ज्ञान के होते हुए भी दार्शनिक और ऋषि इसका उपयोग करने में असमर्थ रहे हैं। मन वह सेवक है जो समस्त सूचनाएँ प्राप्त करता है एवं उनका उपयोग करता है और साथ-ही शारीरिक क्रियाओं को नियंत्रित करता है। यह विभिन्न भूमिकाओं में कार्य करता है। स्वचालित प्रतिवर्त क्रियाएँ और सुचिन्तित विचार, दोनों ही मानसिक तरंगों द्वारा प्रेरित होते हैं। जब तक हम तन्त्रिका-विज्ञान और कपाल-विज्ञान सम्बन्धी शोधों पर विचार नहीं करेंगे तब तक मन की गहराई तक नहीं पहुँचा जा सकता है।

किन्तु मन पर विजय कैसे प्राप्त करें? हम मानते हैं कि ऐसा केवल योग के द्वारा सम्भव है। इस पृथ्वी के बाहर कहीं शान्ति या मोक्ष नहीं है, सही मानसिक अनुशासन के द्वारा इसे अभी और यहीं प्राप्त किया जा सकता है।

योग के अद्वितीय ग्रन्थ श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा - ÷मय्येव मन आधत्स्व मयि बुद्धिं निवेशय। निवसिष्यसि मय्येव अत उर्ध्वं न संशयः।÷ मुझमें ही मन और बुद्धि को लगा दे। इसके उपरान्त तू मुझमें ही निवास करेगा, इसमें कुछ भी संशय नहीं है। इस प्रकार भगवान् ने कहा है कि अपने मानसिक व्यक्तित्व को ईश्वरीय व्यक्तित्व में मिला दो।

साधक को अपने वर्तमान और पूर्व जन्मों के संस्कारों से निबटना पड़ता है। साधक तो वही है जो जीवन के आसक्ति-पूर्ण मार्गों का यात्री रहा है, जहाँ उसका ध्यान इन्द्रिय भोग करने में ही लगा रहा है, पर अब उसने समझ लिया है कि वासनाओं का कोई अन्त नहीं है। इसलिए अब वह उन्हें छोड़कर लौटने की डगर पर चल पड़ा है।

राजयोग योग की ही एक शाखा है जिसने शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक प्रस्फुटन के लिए ध्यान की विधियों को खोजा है। ध्यान अचेतन मन में छुपी अव्यक्त और दमित भावनाओं को रिक्त करने की प्रक्रिया है। यदि इन दमित वासनाओं का उन्मूलन नहीं किया गया तो ये व्यक्तित्व-दोषों, शारीरिक और मानसिक व्याधियों, यथा मनोस्नायु विकृति, मनोविकृति, स्नायविक दोष और उच्च रक्तचाप आदि के रूप में प्रकट होंगी। वह व्यक्ति जिसने अपनी भावनाओं और संवेदनाओं पर अधिकार प्राप्त कर लिया है तथा अपने को क्षुद्र वासनाओं से ऊपर उठा लिया है, मृत्युपर्यन्त कभी अस्वस्थ नहीं हो सकता है।अल्पकाल का भी ध्यान मनुष्य को स्फूर्ति प्रदान करता है। इस प्रकार ध्यान अतीत के संस्कारों को साफ करने के साथ ही नये संस्कारों का संचय नहीं होने देता है। संसार में मिलने वाले दुःखद आघातों के विरुद्ध यह एक उपयोगी एवं समर्थ रणनीति का काम करता है। जीवन तो एक संघर्ष है, जिसमें मन के साथ-साथ शारीरिक सामर्थ्य की वृद्धि से ही विजय प्राप्त की जा सकती है। प्रत्येक व्यक्ति को साहस और धैर्य के साथ जीवन के समुद्र को पार करना है। योग निश्चित रूप से मन को नियन्त्रित रखने की निश्चित विधियाँ प्रस्तुत करता है एवं व्यक्ति स्वयं को साहस और दृढ़ निश्चय से सज्जित करता है, जिससे वह जीवन का दृढ़ता से सामना करते हुए अपनी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करे।

यह सर्वमान्य तथ्य है कि मन एवं शरीर परस्पर क्रिया-प्रतिक्रिया करते हैं। मानसिक व्याधियों से शारीरिक रोग उत्पन्न होते हैं तथा इसके विपरीत भी होता है। हम अपनी इन्द्रियों को भौतिक तुष्टि हेतु इधर-उधर भटकने देते हैं। हम अपने शरीर से अत्यधिक तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं, जिससे मनोस्नायु रोग और निराशा उत्पन्न होती है। योग हमारे व्यक्तित्व के पुनर्निर्माण के उपाय प्रदान करता है। यह इन्द्रियों को उनके विषयों से हटाता है, और उसे मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित मध्य-कक्षा (अवचेतन) में ले जाता है। जब हम ध्यान के द्वारा अपने अवचेतन से सम्पर्क स्थापित करते हैं तब गहराई में स्थित हमारे संस्कार एक-एक कर ऊपर सतह पर आते हैं तथा धीरे-धीरे, पर निश्चित रूप से विदा होते जाते हैं। आधुनिक सभ्यता ने आदमी को असामान्य बना डाला है। वह शारीरिक और मानसिक रूप से रुग्ण है। वह पीड़ा को गले लगाता है और विषादमय विचारों में उलझा रहता है। दवा थोड़ी देर के लिये राहत भले दे दे, नीरोग तो नहीं कर पाती है। गहरे ध्यान के द्वारा ही हम मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक तनावों से मुक्ति तथा विश्व को आक्रान्त करने वाले रोगों से छुटकारा पा सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2024 दमोह जिले ने शानदार प्रदर्शन

दमोह- कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण माह अक्टूबर-नवंबर 2024 में किया गया था जिसमे कक्षा 3, कक्षा 6 और कक्षा 9 का असेसमेंट हुआ है, जो की भारत सरकार ने कराया है। उन्होनें बताया मुझे खुशी है बताते हुए कि दमोह जिला तीनों कक्षाओं में टॉप-5 जिलों में शामिल हुआ है और निश्चित रूप से पिछले वर्ष हमारे शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों ने काफी मेहनत की थी। श

कोचर ने कहा मुझे लगता है कि इसका पूरा श्रेय उन्हीं को जाता है और यह बात सही है कि यह केवल शुरुआत है, अभी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है और इसमें 1-2 वर्ष का समय लग सकता है, लेकिन यदि इसी प्रकार से चलता रहा तो एक ना एक दिन जरूर दमोह की पूरी शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आएगा, ऐसी मैं आशा करता हूँ।

गौरीशंकर नागर बने धाकड़ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)-नगर के सामाजिक कार्यकर्ता गौरीशंकर नागर को धाक? महासभा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति धाक? समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र नागर की सहमति से की गई नागर की नियुक्ति से समाज में एक नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद है। वे धाक? समाज के विभिन्न मुद्दों पर काम करेंगे और समाज को संगठित करने का प्रयास करेंगे। उनकी नवीन नियुक्ति पर समाज के युवाओं वरिष्ठजनों एवं नगर औबेदुल्लागंज के पत्रकारगणों ने उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की।

ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर प्रतिमा स्थापना की मांग को लेकर कांग्रेस का संविधान सत्याग्रह

ओबैदुल्लागंज (संवाददाता)- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार ओबैदुल्लागंज ब्लॉक में संविधान सत्याग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत नगर के कांग्रेसजनों और वरिष्ठ नागरिकों ने गांधी प्रतिमा के समक्ष सांकेतिक धरना देकर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया धरने का मुख्य उद्देश्य ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराने की मांग को मजबूती देना था। कांग्रेसजनों ने कहा कि डॉ. अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता हैं, बल्कि न्याय व्यवस्था के भी आधार स्तंभ माने जाते हैं। इसलिए न्यायालय परिसर में उनकी प्रतिमा का होना न केवल उचित बल्कि आवश्यक भी है धरने में नगर कांग्रेस परिवार के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामाजिक संगठन के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक ग्वालियर हाईकोर्ट में अंबेडकर जी की प्रतिमा स्थापित नहीं हो जाती धरने के दौरान संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया और लोकतंत्र, समानता और सामाजिक न्याय की रक्षा का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता कामता पाल चिकलोद, ब्लॉक अध्यक्ष विष्णु माहेश्वरी, सुभाष गौर, हरपाल सिंह राजपूत, पामेश यादव, सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष मनोज खटीक, राजाराम यादव, विजय यादव, सौरभ खरे, पंकज शर्मा, भूपेंद्र राजपूत, हरि साहनी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे द्य

पूर्व सीएम गहलोत का बयान, सीएम भजनलाल के खिलाफ दिल्ली और जयपुर में चल रही है साजिश

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा को उनके पद से हटाने की साजिश दिल्ली और जयपुर में हो रही है। गहलोत का दावा है कि इस षड्यंत्र को लेकर हमने मुख्यमंत्री को चेतावनी दी है। उनके इस बयान राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को एक सनसनीखेज आरोप लगाकर राजस्थान की राजनीति में हलचल पैदा कर दी। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पद से हटाने की साजिश की जा रही है। उनकी ही पार्टी के कुछ नेता दिल्ली और जयपुर में यह साजिश रच रहे हैं। गहलोत ने दावा किया कि इस षडयंत्र को लेकर मुख्यमत्री पूरी तरह से अंजान बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि उन्होंने बार-बार मुख्यमंत्री को इस बारे में आगाह किया है, लेकिन मुख्यमंत्री उनकी बातों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि अब भी नहीं संभले तो सीएम को गंभीर नुकसान हो सकता है।

भजनलाल के कार्यकाल को बचाने की अपील: अशोक गहलोत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह चाहते हैं कि भजनलाल शर्मा अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करें। उन्होंने कहा कि पहली बार विधायक बने भजनलाल को मुख्यमंत्री बनाए जाने का निर्णय काफी अहम था। उनका मानना था कि एक युवा नेता को सीएम बनने का मौका मिला है, और अब इस पद से उन्हें हटाना ठीक नहीं होगा। गहलोत का कहना था कि बार-बार मुख्यमंत्री बदलने से कोई फायदा नहीं होता, और इस स्थिरता को बनाए रखना प्रदेश के विकास के लिए जरूरी है।

राजस्थान की छवि पर चिंता: गहलोत ने उदयपुर में एक विदेशी युवती से हुई बलात्कार की घटना पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं से राजस्थान की छवि खराब हो सकती है। गहलोत ने यह भी कहा कि हाल ही में अमेरिका ने छह भारतीय राज्यों के लिए यात्रा एडवाइजरी जारी की थी, लेकिन उसमें राजस्थान का नाम नहीं था। अगर इस तरह की घटनाएं जारी रहीं, तो भविष्य में राजस्थान का नाम भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो सकता है।

राजस्थान में राजनीतिक हलचल

गहलोत का यह बयान राजस्थान की राजनीति में एक नई हलचल पैदा कर सकता है। भजनलाल शर्मा की नेतृत्व क्षमता और उनकी पार्टी के अंदर के गतिरोध पर अब सवाल उठने लगे हैं। गहलोत के आरोपों के बाद पार्टी में अंदरूनी समीकरणों को लेकर चर्चा तेज हो सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, गहलोत का यह बयान पार्टी के भीतर हो रही शक्तियों के संघर्ष को उजागर करता है। इस मुद्दे पर अब कांग्रेस पार्टी में और भी बयानबाजी हो सकती है, जिससे प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

सीएम पर लगे आरोपों की जांच की मांग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान के लोग कई मायने निकाल रहे है। राजनीतिक जानकारों की माने तो सीएम भजनलाल शर्मा पर लगाए जा रहे आरोपों की जांच की मांग का दबाव कांग्रेस के साथ ही सत्तारूढ़ दल भाजपा के कुछ लोग भी बना रहे है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बयान ने चर्चा को और हवा दे दी है। अब देखना यह होगा कि केंद्रीय नेतृत्व सीएम पर लग रहे आरोपों को कितनी गंभीरता से लेता है।

खजराना गणेश के आभूषण 7 किलो सोने से तैयार होंगे, गठित समिति सारा काम करेगी

इंदौर। भगवान गणेश के लिए नए स्वर्ण आभूषण तैयार करने की योजना बनाई गई है। पुराने आभूषणों को गलाकर ही नए स्वर्ण आभूषण बनेंगे। इस काम के लिए गठित समिति ने बुधवार को कलेक्टर ऑफिस स्थित जिला कोषालय में खजराना गणेश के स्वर्ण आभूषणों का निरीक्षण किया।

नए मुकुट एवं स्वर्ण आभूषण बनाने का रूपरेखा तैयार की। इस दौरान समिति के सदस्यों के साथ ही मंदिर के पुजारी पंडित अशोक भट्ट भी मौजूद रहे। पं अशोक भट्ट ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर एक समिति बनाई गई है, जो खजराना गणेश के नए स्वर्ण आभूषण तैयार कराएगी। समिति के सदस्यों ने जिला कोषालय में स्वर्ण आभूषण का निरीक्षण किया और नए स्वर्ण आभूषण बनाने की रूपरेखा तैयार की। खजराना गणेश को साल में दो बार गणेश चतुर्थी और तिल चतुर्थी पर स्वर्ण आभूषण पहनाए जाते हैं।

उन्होंने बताया कि भगवान गणेश सहित रिद्धि-सिद्धि, शुभ-लाभ के स्वर्ण आभूषण हैं, जिनका वजन करीब 7 किलो है। इसमें भगवान गणेश के दो स्वर्ण मुकुट हैं। रिद्धि-सिद्धि के दो मुकुट और एक चंद्रिका है। शुभ-लाभ के दो स्वर्ण मुकुट और सिक्के हैं। इन सभी आभूषणों से नए स्वर्ण आभूषण तैयार किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि स्वर्ण मुकुट तैयार करने के पहले नाप लिए जाएंगे। इसके बाद पहले चांदी से अस्थायी आभूषण तैयार किए जाएंगे। डिजाइन व अन्य सभी चीजें फाइनल होने के बाद ही स्वर्ण आभूषण तैयार किए जाएंगे। इसमें कुछ समय लगेगा। जिसके बाद नए स्वर्ण आभूषण तैयार होंगे। पं.अशोक भट्ट ने बताया कि इंदौर के ही एक ज्वेलर्स से ये आभूषण तैयार कराए जा रहे हैं।

भाजपा ने आपातकाल के काला अध्याय का 50 वर्ष होने पर सेमिनार आयोजित कर लोकतंत्र सेनानी सम्मान किया

धार। 25 जून भारत के राजनीतिक इतिहास का काला अध्याय है,जिसमें तत्कालीन कांग्रेस की सरकार ने सत्ता के मोह,राजनीतिक अहंकार और विपक्ष मुक्त देश की लालसा में आपातकाल जैसा काला निर्णय देश पर थोपा। यह निर्णय लोकतंत्र की हत्या के समान था। यह भारतीय लोकतंत्र पर गहरा आघात था।उस स्मृति को पुनः जीवित करने एवं देश के सच्चे लोकतंत्र रक्षकों को सम्मानित करने के लिए भाजपा जिला कार्यालय में बुधवार को भाजपा ने आपातकाल के काला अध्याय का 50 वर्ष होने पर सेमिनार आयोजित कर लोकतंत्र सेनानी सम्मान किया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकतंत्र सेनानी श्री विक्रम वर्मा कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक इंदौर गोपीकृष्ण नेमा भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने सेमिनार को संबोधित किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने लोकतंत्र सेनानी श्री विक्रम वर्मा श्रीवल्लभ विजयवर्गीय श्री ओम प्रकाश सोनी का शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया साथ ही मीसाबंदी परिवारजन का कार्यक्रम में सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान आपातकाल पर बनी टेली फिल्म दिखाई गई तथा आपातकाल पर लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया।

लोकतंत्र सेनानी विक्रम वर्मा ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि आज आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो रहे है। इन 50 वर्षों में देश ने कई बदलाव देखे है। आज आपातकाल के बाद तीसरी पीढ़ी है और इस पीढ़ी को भी आपातकाल के काले अध्याय के बारे में जानने की आवश्यकता है। किस प्रकार से आंतरिक अशांति के नाम पर कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोप दिया । इंदिरा गांधी की सत्ता को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 जून 1975 को उनके निर्वाचन को अवैध घोषित कर दिया और उन्हें छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया। इंदिरा गांधी ने सत्ता की लोलुपता के कारण लोकतंत्र का गला घोंटने का दुष्कर्म किया और आज कांग्रेस कहती हैं संविधान खतरे में हैं ।

विधायक हेमंत और नपा अध्यक्ष पार्वती बारस्कर ने मिलकर बनाया शहर का विकास मॉडल

नपा मे बैठक के बाद किया शहर का निरक्षण

सांध्य प्रकाश बैतूल। नगर के व्यापारियों को अब वर्षों की चिंता से राहत मिलने जा रही है। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने नगर के विकास की योजना पर काम शुरू किया है। व्यापारियों की समस्याएं सुनने के बाद मौके पर निरीक्षण कर स्थायी समाधान की दिशा में बड़ी पहल की गई है। मंगलवार 24 जून को नगरपालिका सभा कक्ष में व्यापारियों के साथ बैठक कर ठोस निर्णय लिए। बैठक में नपा अध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर सभापति तरुण ठाकरे सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में पहले 85 ऐसे दुकानदारों की समस्या पर चर्चा करी गई। जिनसे 15 वर्ष पूर्व नपा द्वारा दुकानें आवंटित करने राशि ली गई थी। श्री खंडेलवाल के हस्तक्षेप पर तय किया गया कि सभी व्यापारियों को फूटा तालाब कोठी बाजार के पीछे 8 ×10 की अस्थाई गुमठी दी जाएगी। यही नही विधायक और नपा अध्यक्ष,अधिकारियों ने मौका स्थल का मुआयना करके तय किया कि सभी दुकानदारों की एक समान गुमठियां बनेंगी। तथा स्थल पर पूर्व प्रस्तावित काम्प्लेक्स का शीघ्र टेंडर लगाने के लिए निर्देश दिए गए। ताकि इन दुकानदारों का व्यवस्थापन किया जा सके। वहिं सीजनल व्यवसाय करने वाले मूर्तिकारों की समस्या भी सामने आई जो गणेश जी एवं दुर्गा जी की प्रतिमाये बनाते है। उन्हें भी फूटातालाब के पीछे नाले के किनारे 15 ×15 की जगह आवंटित करने का निर्णय लिया गया। पश्चात श्री खंडेलवाल कारगिल चौक पहुंचे। जहां अनियमित रूप से लगी दुकानों को हटाकर नेहरू पार्क से पीआईयू कार्यालय होते शिव मंदिर तक नई योजना के तहत 8 × 8 की अस्थाई कांक्रीट पैनल की पार्टीशन दुकानें आवंटित करने की कार्य योजना बनाई। पीडब्ल्यूडी साइड से बाउंड्री वॉल बनाई जाएगी। सभी दुकानों को समान व्यवस्थित किया जाएगा। इसके बाद नंदी चौक गंज पहुंचे। पुराने स्कूल की खाली पड़ी भूमि पर फुटकर सब्जी एवं फल व्यापारियों को खाली मैदान में लाइनिंग कर स्थान देने के निर्देश दिए। इस जगह पेविंग ब्लॉक का कार्य अंतिम चरण में है। शीघ्र लाइन मार्किंग कर दुकानों का अलॉटमेंट किया जाएगा।

नालियों पर अतिक्रमण का मामला

इटारसी। विगत दिनों दैनिक सांध्य प्रकाश समाचार ने वार्ड 24 और 25 में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिका को आइना दिखाया था जिसके बाद वार्ड 24,25 और 26 में सफाई को लेकर सीएमओ ने वार्ड का दौरा कर सफाई कर्मियों की क्लास ले डाली उन्हें हिदायत थी कि साफ सफाई में लापरवाही नहीं होना चाहिए वरना कार्रवाई होगी ।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक डॉक्टर सीताशरन शर्मा ने वर्ष 2015-16 में अपने एक आदेश से नाला मोहल्ला मेन सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराते हुए 40 से 50 फुट चौड़ा करा कर सड़क निर्माण भी करा दिया था , कठोरता से हटाए गए अतिक्रमण की चर्चा आज भी शहर में होती है , परंतु नगर पालिका की अनदेखी के चलते इस सड़क को अतिक्रमणकारियों ने पुनः अपने शिकंजे में ले लिया है। यहां लोगों ने सड़क के दोनों ओर बनी नालीयों को अपने घर और दुकान में समायोजित कर अतिक्रमण कर लिया है। जिससे बारिश में जल भराव की स्थिति निश्चित है। अब देखते हैं सीएमओ मैडम की मौखिक चेतावनी का आदेश इन पर कितना असर करता है। नाला मोहल्ला के वार्ड 24,25 और 26 में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती ऋतु मेहरा ने निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उनको जलभराव की समस्या नागरिकों ने बतायी तो उन्होंने वार्ड के निरीक्षण में पाया कि अनेक लोगों ने अपनी दुकानों के सामने नालियों पर पक्का अतिक्रमण करके जल निकासी का रास्ता अवरूद्ध करके रखा है। सीएमओ ने सभी को स्वयं ही अतिक्रमण हटाने की समझाइश दी, साथ ही कहा कि यदि उन्होंने नहीं हटाया तो नगर पालिका हटा देगी।

सांध्य प्रकाश की खबर का असर

सीएमओ ने सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। तीनों वार्ड के मुख्य मार्गों नालियों पर अतिक्रमण की समस्या सामने आयी। यहां दुकानदारों ने पक्का निर्माण कर रखा है। वार्ड 25 में बेक वाटर का निकास नहीं हो पाता है, बल्कि सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। यहां नालियों में पर्याप्त ढाल नहीं होने की समस्या थी। सीएमओ ने कहा कि तकनीकि टीम भेजकर समस्या का निदान करायेंगी। वार्ड 26 में भी नालियों में गंदगी की समस्या थी, सीएमओ ने यहां के सफाई कर्मचारियों से नाराजी व्यक्त करते हुए सही तरीके से सफाई करने के निर्देश दिये। सीएमओ ने तीनों वार्ड में वार्डवासियों से संवाद किया और सफाई व्यवस्था में सहयोग करने, कचरा वाहनों में कचरा देने, सड़क, खाली प्लाट पर गंदगी न फैकने जैसी बातें कहीं और सफाई व्यवस्था और बेहतर करने के लिए नागरिकों की राय भी जानी। इस दौरान सीएमओ के साथ पार्षद नाजिया बेग, शुभम गौर और कुंदन गौर, स्वच्छता विभाग से कमल बडगोती, तीनों वार्ड के मुकद्दम मौजूद थे।

समग्र विकास की मांगो को लेकर जनप्रतिनिधियों के साथ विधायक ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात - सौंपे मांग पत्र

सिरोंज को जिला बनाए जाने,रेलवे लाइन की मांग तथा सिरोंज लटेरी को एनसीआर में शामिल किए जाने सहित सिरोंज लटेरी विधानसभा के जनकल्याणकारी विकास की योजनाओं को लेकर विधायक उमाकांत शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के दल ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से भेंट की।

इस दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के समग्र जनकल्याणकारी विकास को लेकर एक दर्जन मांगो के पत्र सौंपे तथा विरासत से विकास की संकल्पना को पूर्ण कर रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव के नागरिक सम्मान के लिए आगामी समय में नगर सिरोंज के लिए आमंत्रित भी किया।

बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर विधायक उमाकांत शर्मा के साथ पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं मंडल अध्यक्षों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात करते हुए जनभावनाओं के अनुरूप सिरोंज लटेरी की वर्षों पुरानी जिला बनाने की मांग पूर्ण करने का अनुरोध करते हुए पुनः मांग पत्र सौंपा। इसके अलावा उन्होंने गुना भोपाल तथा बीना ब्यावरा रेल लाइन का सर्वे करवाकर स्वीकृति करवाने तथा राजधानी परियोजना में जुड़ रहे आसपास के क्षेत्र के साथ सिरोंज लटेरी को जुड़वाने,सिरोंज में पशु चिकित्सा महाविद्यालय, सिरोंज नगर में धार्मिक सामाजिक आयोजनों के लिए स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा स्मृति सत्संग भवन,आनंदपुर में पूर्व की शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा को पूर्ण करवाने,आनंदपुर पथरिया को तहसील का दर्जा प्रदान करने के साथ सिरोंज लटेरी की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की स्वीकृति करने के लिए भी मांग पत्र सौंपते हुए निवेदन किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री से निकट समय में नागरिक अभिनंदन एवं सम्मान कार्यक्रम के लिए सिरोंज पधारने का आग्रह भी किया। इसके पूर्व मुलाकात के दौरान सभी संस्थाओं एवं मंडल के अध्यक्षों ने शाल पटका स्मृति चिन्ह एवं माला पहनाकर मुख्यमंत्री का स्वागत सम्मान किया। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी,जनपद अध्यक्ष पुष्पा हमीर सिंह यादव,सिरोंज नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, लटेरी जनपद अध्यक्ष सीमा बृजमोहन कलावत, लटेरी नपाध्यक्ष शैलेश अत्तू भंडारी, उपाध्यक्ष शिवचरण प्रजापति,जनभागीदारी अध्यक्ष सिरोंज शिवकुमार भार्गव, लटेरी अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, देवपुर मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी,चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत,आनंदपुर मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, लटेरी मंडल अध्यक्ष राम गुलाम राजौरिया,सिरोंज मंडल अध्यक्ष सीताराम कुशवाह, वरिष्ठ भाजपा नेता हरीबाबू भार्गव,श्याम चतुर्वेदी,मीडिया प्रभारी सचिन शर्मा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक मानव बस्ती से बड़े शहर में तब्दील होने की कहानी

संदर्भ इटारसी एक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि गागर में सागर है

इटारसी। अमीबा की तरह बढ़ती मानव बस्ती के बड़े शहर बनने की कहानी को किताब रूप में आकार देना कोई सामान्य पुरुषार्थ नहीं है। मध्य रेलवे के सबसे प्रमुख जंक्शन इटारसी के जन्म से लेकर आधुनिक शहर बनने का सफर निर्विवाद रूप से लिपिबद्ध करना तब और भी मुश्किल है, जबकि प्रामाणिक जानकारी के लिए लेखक के पास गजेटियर से भी संपूर्ण जानकारी का सहारा न हो। लंबे समय से गजट बनाने का काम बंद होने के बावजूद इसे लिखने का बीड़ा उठाकर अपने शहर की दास्तां लिखना दुष्कर अवश्य है। मगर नर्मदापुरम जिले के वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी नागरिक प्रमोद पगारे ने यह बीड़ा उठाकर अपनी टीम के साथ परिश्रम कर तीन वर्ष के समय में आकार दिया है।

आज जब उनकी मेघा और परिश्रम से बनी कृति हमारे सामने ÷संदर्भ इटारसी÷ के रूप में सामने आई, तो मन में बड़ी जिज्ञासा थी कि इसमें किन-किन बातों और उपलब्धियों का जिक्र मिलेगा। बीते लगभग 600 साल में यहां लोगों ने किस तरह पुरुषार्थ कर अपने शहर को देश एवं मध्य प्रदेश के अग्रणी नगरों की कतार में पहुंचाया। जब इसकी दास्तां हम पढ़ेंगे तो वह कैसी लगेगी। ऐसे मनोभावों में डूबकर ÷संदर्भ इटारसी÷ देखने को मिली तो मुझे लगा कि यह 'गागर में सागर' संजोने का अनुपम प्रयास है। यदि इस किताब को मैं 'ग्रंथ' की संज्ञा देना चाहूं तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। स्मरणीय रहे कि पत्रकारिता जगत में एक सदप्रवृत्ति यह देखने को मिली है कि यहां के लगभग हर विख्यात पत्रकार ने सेवानिवृत्त होने पर किसी किताब का सृजन अवश्य किया है। ख्यात पत्रकार कुलदीप नैयर ने इमर्जेंसी नामक किताब लिखी तो अरुण शौरी और अन्य ने भी किताबों पर हाथ आजमाया है।

ठीक इसी तरह नर्मदांचल के वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद पगारे भी अब तक आधा दर्जन किताबों का सृजन कर चुके हैं। वे ऐसे हर उस कार्य के लिए पहचाने जाते हैं जो मुश्किल होते हैं। मगर इसका बीड़ा उठाकर आने वाली पीढ़ी और कार्यकर्ताओं के लिए वे राह आसान बना जाते हैं।

मेरा मानना है कि यह संकलन किसी साहित्यकार ने तैयार किया होता तो वह शब्दों और भाषा का अच्छा संगम भर होता, मगर एक पत्रकार की लेखनी से लिखी दास्तां में वह पीड़ा भी सामने आई कि किन कारणों से शहर के समग्र विकास में बाधाएं सामने आईं।

श्री पगारे ने अपनी खास शैली में साफ लिखा कि इटारसी सुधार न्यास का विघटन करने से नगर का विकास कैसे अवरुद्ध हुआ। और यह भी कि जिस भूमि का आने वाले 100 वर्षों तक कोई उपयोग नहीं वह रेलवे की हठधर्मिता से शहर के विकास में कोई काम नहीं आ रही। उन्होंने उस तकनीकी खामी का भी उल्लेख कर व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया कि आबादी में मात्र 400 लोग कम होने से किस तरह यह प्रगतिवान शहर शासन की अमृत योजना का लाभ नहीं उठा पाया।

इसके अलावा भी 'संदर्भ इटारसी' में ऐसी और भी बातों और जानकारियों का समावेश है जो काफी महत्वपूर्ण हैं। किताब में श्री पगारे ने एक-दो स्थान पर कहा कि हम अभी भी कई तथ्यों और बातों का उल्लेख नहीं कर पाए जो शायद और जरूरी हो सकते थे।

-बहरहाल इस किताब में शहर के साहित्यिक, राजनीतिक, सामाजिक जगत की सभी हस्तियों का जिक्र करने के साथ इतिहास और यहां के प्रमुख स्थानों का वर्णन करने के साथ चित्रों की अनुपम झांकी शहर के इतिहास की अनमोल धरोहर है।

इस किताब के लिए जानकारी जुटाने और लेखन में उनकी टीम ने हरसंभव श्रमसाध्य प्रयास किए। खासकर नगर को अभिव्यक्ति देने हेतु एसडीएम श्री टी. प्रतीक राव द्वारा तैयार 'लोगो' और शहर की तमाम जानकारी देने वाली सभी शख्सियत भी सम्मान के अधिकारी हैं। यह किताब नई पीढ़ी को अपने शहर का ज्ञान देने के साथ इसकी जानकारी उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगी हो सकती है। इस कारण मैं साधिकार ÷संदर्भ इटारसी÷ को ग्रंथ कहना चाहूंगा, क्योंकि किसी अन्य शहर के बारे में अब तक ऐसी कोई किताब प्रकाशित होने की जानकारी मुझे नहीं है। इस ग्रंथ को तैयार करने वाली टीम को साधुवाद !

कार्यालय नगर निगम, भोपाल
यांत्रिक विभाग

75/यां.वि./2024-25 भोपाल दिनांक 24.06.2025

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती हैं।

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस. ओ.आर	कार्य की अवधि
1	2025_ U 1 AD_ 42 8934_2	Const. of drain and cc in Awadh Bhai wali gali at Kabeetpura area ward 11 zone 03	2,54,338	2,543	2,000	MPUADD BUILD/Ro ad ISSR 2021	60 दिवस
2	2025_ U AD_ 42 8947_2	Cost.of cc road and drain near murgi wali masjid in gali No. 02 ward 11 zone 03	4,24,723	4,247	2,000	MPUADD BUILD/Road ISSR 2021	60 दिवस
3	2025_ U AD_ 43 2783_1	Const. of cc road near sky tower infront of mohammdi masjid at khawas pura ward 11 zone 03	1,35,783	2,716	1,000	MPUADD Road ISSR 2021	60 दिवस

1- Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in
2- The Bid Documents can be purchased only online from 10:30 AM 24/06/2025 to 17:30 P.M. 08/07/2025
3- Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in Only, and not in newspaper.

The initial period of 5 Years for B.T/C.C road and 3 Years for Drain/Bulding after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 1859/025/026

सहायक यंत्री
जोन क्र.3 03 कार निगम भोपाल ,नगर निगम, भोपाल

सुनील गावस्कर का इंडियन टीम पर फूटा गुस्सा, बोले 'फील्डिंग टेस्ट के लायक नहीं, इससे सीख लेनी होगी'

नई दिल्ली, एजंसी। लीड्स टेस्ट में भारत को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिस पर सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया की फील्डिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना है कि सिर्फ कैच ही नहीं, आउटफील्डिंग भी बेहद खराब रही। सुनील गावस्कर ने ये भी कहा कि यह प्रदर्शन टेस्ट स्तर का नहीं था और टीम को इससे सबक लेना चाहिए।

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में हुआ, जिसमें टीम इंडिया को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। वहीं इस हार के बाद पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया की फील्डिंग पर गंभीर सवाल उठाए। दरअसल उनका साफ कहना है कि भारत ने केवल कैच छोड़ने की गलती नहीं की, बल्कि पूरी फील्डिंग ही बेहद कमजोर नजर आई। उनके मुताबिक, टीम

का ये प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट के स्तर का नहीं था।

दरअसल सुनील गावस्कर ने कहा कि इंग्लैंड की जीत पूरी तरह से उनके जज्बे और आत्मविश्वास का नतीजा थी। उन्होंने कहा कि भारत के बल्लेबाजों ने भले ही पांच शतक लगाए हों, लेकिन जब जीत के लिए दबाव बढ़ा, तो इंग्लिश टीम ने शानदार वापसी की। फील्डिंग में ढिलाई के चलते ही भारत को हार का सामना करना पड़ा।

दरअसल सुनील गावस्कर का कहना था कि टीम इंडिया की हार में सबसे बड़ी भूमिका फील्डिंग ने निभाई। सोनी स्पोर्ट्स पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, ÷सिर्फ कैचिंग ही नहीं, आउटफील्डिंग भी बहुत साधारण थी। गेंदबाजों ने मेहनत की, लेकिन फील्डिंग ने निराश किया। ये टेस्ट मैच की टीम जैसी बिल्कुल नहीं दिख रही थी।÷ सुनील गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह की तारीफ की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अगर उन्हें दूसरे गेंदबाजों से सहयोग मिलता तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि इस पिच पर बल्लेबाजी आसान थी, इसलिए गेंदबाजों को दोष देना गलत होगा, लेकिन टीम को इस मैच से सीख लेनी चाहिए।वहीं लीड्स की हार के बाद अब टीम इंडिया एजबेस्टन में अगला मुकाबला खेलने उतरेगी, जहां भारतीय टीम को आज तक कोई टेस्ट मैच में जीत नहीं मिली है। सुनील गावस्कर ने खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से रिफ्रेश करें। उन्होंने कहा कि दो दिन का ब्रेक जरूरी है, और उसके बाद जब मैदान पर लौटें तो फुल फोकस के साथ ट्रेनिंग करें। सुनील गावस्कर के मुताबिक, यह सीरीज अभी भी खुली हुई है। टीम इंडिया के पास वापसी का मौका है लेकिन उसके लिए हर खिलाड़ी को बेहतर प्लानिंग और टीमवर्क के साथ उतरना होगा। खासकर फील्डिंग में सुधार बहुत जरूरी है। अगर टीम अगली गलतियां दोहराती है तो सीरीज हाथ से निकल सकती है।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का रितु ग्रोवर, गवर्नर रोटरी एमपी और संजीव अग्रवाल एमडी सेज ग्रुप का डेनासिया सुपरस्पेशलिटी डेंटल में स्वागत करते हुए।

कमला पार्क स्थित किन्नरी में नगर निगम ने हटाया अतिक्रमण

भोपाल। राजधानी कमला पार्क स्थित किन्नरी में नगर निगम द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई जिसमें निगम द्वारा अवैध दुकानें बनाई जाना बताया गया है विपरीत इसके मकान मालिक एहसान फारूकी का कहना है कि यह हमारी पुश्तेनी जमीन है लगभग 50 से 60 साल पुरानी यह जमीन निगम द्वारा अवैध बताई जा रही है इसके प्रमाण हमारे पास सुरक्षित है वहीं एसडीएम तहसीलदार द्वारा हाईकोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद कार्रवाई को अंजाम दिया गया जिसमें बड़ी भारी संख्या में पुलिस बल नगर निगम अतिक्रमण अम्ल उपस्थित रहा।

मध्य प्रदेश और यूपी के किसानों के लिए खुशखबरी, एमएसपी पर मूंग-उड़द खरीदेगी केंद्र सरकार

केंद्र सरकार मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए खुशखबरी लेकर आई है। सरकार ने किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए मध्यप्रदेश से मूंग और उड़द और उत्तर प्रदेश से उड़द की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्रियों के साथ बैठक की और मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीद को मंजूरी दी। उन्होंने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस योजना के अंतर्गत खरीद तब की जाती है जब बाजार मूल्य एमएसपी से नीचे चला जाता है। बैठक के दौरान चौहान ने कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के निर्णय से केंद्र सरकार पर काफी वित्तीय बोझ पड़ेगा। हालांकि, सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों से सीधी खरीद से बिचौलियों का प्रभाव कम होगा और किसानों तक वास्तविक लाभ पहुंचेगा। कृषि मंत्री ने किसानों के पंजीकरण के लिए नवीनतम तकनीकों के उपयोग और आवश्यकता पड़ने पर खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरा करने की सलाह दी। उन्होंने भंडारण में अनियमितताओं की शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को ठोस कदम उठाने को कहा। बैठक में मध्यप्रदेश के किसान कल्याण और कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंसाना, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

टाटा एआईए के दो नए फंड्स धन जुटाने और रिटायरमेंट प्लानिंग की ज़रूरतों को पूरा करेंगे

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की चौथी सबसे सबसे बड़ी वित्त व्यवस्था बनने की दिशा में भारत के बढ़ते कदमों का साथ देते हुए, देश की एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स आपके लिए लेकर आयी है जीवन बीमा से जुड़े निवेश उत्पादों के ज़रिए आपके धन को बढ़ाने और और आपके भविष्य को सुरक्षित करने का एक मज़बूत अवसर। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि कई अवसर प्रदान करती है, भारत की वृद्धि के पूरे लाभ उठाने के लिए डिज़ाइन किए गए दो नए फंड्स के साथ इस क्षमता का उपयोग करने में आपकी मदद के लिए हम तैयार हैं। टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 इंडेक्स फंड और टाटा एआईए टॉप 200 अल्फा 30 पेंशन फंड इन ट्रेंड्स का लाभ उठाने के लिए स्ट्रैटेजीकली डिज़ाइन किए गए हैं। ये फंड भारत की विकास कहानी से लाभ उठाने के लिए तैयार कंपनियों में निवेश करते हैं। चाहे आप अपनी संपत्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हों या एक मज़बूत रिटायरमेंट फंड बनाने पर, ये फंड प्रदर्शन, सुरक्षा और विकास का आदर्श संयोजन प्रदान करते हैं।

एक वर्ष में मालवा-निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं को 9161 करोड़ की सब्सिडी

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की जनहितैषी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर औसत 46.72 लाख उपभोक्ताओं को प्रतिमाह लाभान्वित कर रही है। इसी बारह माह के दौरान कुल 9161 करोड़ रूपए की सब्सिडी दी गई है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि शासन का उद्देश्य बिलों में राहत प्रदान करना और प्रदेश के विकास में निर्बाध बिजली के माध्यम से भूमिका निभाना है। विद्युत वितरण कंपनी इसी दिशा में कार्य कर राहत पहुंचा रही हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि औसतन प्रतिमाह अटल गृह ज्योति योजना में 31.82 लाख उपभोक्ताओं को लाभान्वित कर वर्ष में 1748.73 करोड़ की सब्सिडी दी गई है। इसी तरह अजा और अजजा के पात्र 4.80 लाख किसानों को मुफ्त बिजली दी गई।

रिपोर्ट: भारत में करोड़पतियों की संख्या में भारी उछाल, 2029 तक 55त्न वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली, एजंसी। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करोड़पतियों की संख्या में भारी उछाल होने की संभावना है। 2029 तक इसमें 55 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। यह दर वैश्विक औसत 21 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

भारत में करोड़पतियों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की एक हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2024 से 2029 के बीच करोड़पतियों की संख्या में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना है। यह दर वैश्विक औसत 21 प्रतिशत से कहीं अधिक है। ऐसे लोग जिनके पास एक मिलियन डॉलर यानी लगभग 8.3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की निवेश योग्य संपत्ति है, उन्हें इस श्रेणी में रखा जता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक मयंक झा ने कहा कि 2014 से 2024 तक क्षेत्रवार जैविक वृद्धि में भारी अंतर रहा। एशिया प्रशांत क्षेत्र में संपत्ति प्रबंधकों ने 50 प्रतिशत की दर हासिल की है। यह यूरोप, पश्चिम एशिया और अफ्रीका (ईएमईए) और उत्तरी अमेरिका की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। इसे निर्णायक रूप से भारत जैसे उभरते बाजारों से बढ़ावा मिला है। झा ने कहा कि पहली बार संपत्ति बनाने वालों, खासतौर पर मिलेनियल उद्यमियों और कॉर्पोरेट नेताओं की पीढ़िगत लहर उद्योग को नया आकार दे रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जनरेटिव एआई संपत्ति प्रबंधन के हर पहलू ग्राहक पहचान, सेवा, और सलाह में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

वैश्विक वित्तयी संपत्ति 2024 में रिकॉर्ड 305 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ गया। यह मजबूत इक्विटी बाजार प्रदर्शन के बीच वित्तीय परिसंपत्तियों में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है। बीसीजी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की वित्तीय संपत्ति में 10.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के औसत 7.3 प्रतिशत से अधिक है। एशिया- प्रशांत में 2029 तक 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होने का अनुमान है। यह उत्तरी अमेरिका के 4 प्रतिशत और पश्चिमी यूरोप के 5 प्रतिशत से काफी अधिक है। भारत में यह तीव्र विस्तार वित्तीय परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। साथ ही इस उभरती मांग को पूरा करने के लिए तैयार सलाहकारों और संस्थानों के लिए अभूतपूर्व अवसर का संकेत देता है।

मसाला उत्पादक दीदियों को क्वालिटी कन्ट्रोल के लिए एक्सपोजर विजिट कराएं: कलेक्टर सुश्री बाफना

कलेक्टर ने मो. बड़ोदिया क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया

इन्दौर। मो. बड़ोदिया में मसाला उत्पादन इकाई संचालित करने वाली सीएलएफ की दीदियों को क्वालिटी कन्ट्रोल के लिए इन्दौर या अन्य स्थलों पर एक्सपोजर विजिट कराएं। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज मो. बड़ोदिया क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान मो. बड़ोदिया मुख्यालय पर सीएलएफ की दीदियों द्वारा स्थापित मसाला उत्पादन इकाई के निरीक्षण के दौरान दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे सीएलएफ की दीदियों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद करें। छात्रावासों एवं मध्यान्ह भोजन से भी इन्हें लिंक कराएं। कलेक्टर को मसाला उत्पादन से जुड़ी सीएलएफ की दीदी श्रीमती सरिता गुप्ता ने इकाई की गतिविधियों से अवगत कराया। कलेक्टर ने उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने ग्राम बकानी में किसान श्री अशरफ हुसैन द्वारा मनरेगा योजना के तहत 01 लाख 27 हजार रूपये लागत से निर्माणाधीन खेत तालाब तथा ग्राम में ही सार्वजनिक कूप पर 23 हजार 899 रूपये लागत से निर्माणाधीन डगवेल रिचार्ज संरचना का निरीक्षण किया। इसी तरह कलेक्टर ने ग्राम धतरावदा में हितग्राही श्री रमेश सिद्धनाथ के खेत पर मनरेगा योजना के तहत 01 लाख 16 हजार रूपये लागत से निर्माणाधीन खेत तालाब, भोपाखेड़ी में श्री राजमल रामप्रसाद पाटीदार के खेत पर मनरेगा

योजना से 43 हजार 500 रूपये लागत से निर्माणाधीन खेत तालाब तथा ग्राम जावदी में 17 लाख 50 हजार रूपये लागत से निर्माणाधीन अमृत सरोवर एवं सागड़िया में 5 लाख रूपये लागत से निर्माणाधीन सामुदायिक कूप का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर ने खेत तालाबों के निर्माण में अधिक से अधिक जल संग्रहण के लिए गहराई बढ़ाने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने मो. बड़ोदिया में स्थापित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का निरीक्षण किया। प्रयोगशाला तकनीशियन श्री नितेश पाटीदार ने बताया कि 2910 के लक्ष्य के विरूद्ध 2200 नमूने परीक्षण के लिए प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 564 का परीक्षण किया गया है। कलेक्टर ने मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट संबंधित किसानों को पहुंचाने के निर्देश दिये। साथ ही कार्य में तेजी लाने के? लिए कहा। मो. बड़ोदिया में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण कलेक्टर सुश्री बाफना ने किया। कलेक्टर ने कार्य में गुणवत्ता रखने एवं समयावधि में भवन निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने मो. बड़ोदिया क्षेत्र के ग्राम सिमरोल (शाजापुर) में जल ग्रहण मिशन द्वारा लगाए गए सघन वन (मियावाकी) तथा जल संग्रहण के लिए यहां बने तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री संतोष टैगोर, जनपद पंचायत सीईओ श्री अमृतराज सिसोदिया, प्रभारी तहसीलदार श्रीमती दिव्या जैन, नायब तहसीलदार श्री मुकेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री केएस डामोर, पीआईयू कार्यपालन यंत्री श्री भाक्यासिंह परमार भी उपस्थित थे।

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट, भारत फिनटेक में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल, एआई से बढ़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) के लिहाज से शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों की सूची में अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भारत भी शामिल हो गया है।?चीन के तियानजिन में आयोजित न्यू चैंपियंस की वार्षिक बैठक में जारी विश्व आर्थिक मंच के अध्ययन में कहा गया, लाभप्रदता और समावेशन में मजबूती के बीच फिनटेक क्षेत्र की वृद्धि स्थिर हो रही है। एआई को अपनाने से प्रदर्शन में सुधार हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के बाद की मंदी के बावजूद फिनटेक क्षेत्र वंचित समूहों तक पहुंचते हुए मजबूत और टिकाऊ वृद्धि दिखा रहा है। फिनटेक में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले देशों में भारत के साथ?ब्रिटेन, अमेरिका, सिंगापुर, ब्राजील और इंडोनेशिया शामिल हैं। इनमें से हर देश में 10 से अधिक कंपनियों का मुख्यालय है और ये फिनटेक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच ने कहा, इन देशों के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, कोलंबिया, मेक्सिको और जर्मनी भी फिनटेक क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।? रिपोर्ट के मुताबिक, 240 फिनटेक कंपनियों के वैश्विक सर्वे से पता चलता है कि ग्राहक वृद्धि 37 फीसदी पर स्थिर है। वित्तीय प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। राजस्व

और लाभ में वृद्धि क्रमशः 40 फीसदी एवं 39 फीसदी है। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई), निम्न आय वाले व्यक्ति- महिलाएं फिनटेक के ग्राहक आधार का महत्वपूर्ण हिस्सा (क्रमशः 57 फीसदी, 47 फीसदी और 41 फीसदी) हैं। खासकर उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में जहां ये फिनटेक के लाभ में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। 83 फीसदी फिनटेक कंपनियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से बेहतर ग्राहक अनुभव हासिल किया है। करीब तीन चौथाई ने माना कि एआई से उच्च लाभप्रदता एवं कम लागत प्रमुख फायदे हैं।

आर्थिक स्थितियां बड़ी चुनौती, 2024 की तुलना में कम

रिपोर्ट के मुताबिक, व्यापक आर्थिक स्थितियां वृद्धि के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी रहीं। हालांकि, सिर्फ 18 फीसदी ही इस चुनौती को बाधा मानते हैं, जो 2024 में 56 फीसदी था। फंडिंग को लेकर चिंताएं भी कम हो गई हैं। अब सिर्फ 12 फीसदी लोग ही इसे बाधा मानते हैं, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा 40 फीसदी था।

जलगंगा संवर्धन अभियान से पुनर्जीवित हुई भोपाल की बड़े बाग़ की बावड़ी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रारंभ किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर 'बड़े बाग़ की बावड़ी' को नवजीवन मिला है। यह सफलता केवल विकास और जल संरचना के पुनरुद्धार की नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के

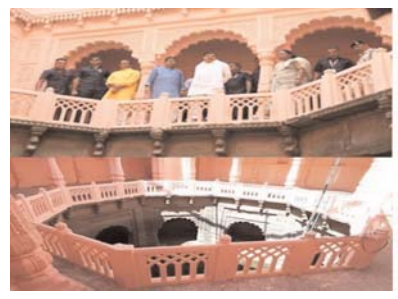

पर्यावरण संरक्षण दृष्टिकोण और जल संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध नेतृत्व ने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। करीब 200 वर्ष पूर्व निर्मित यह बावड़ी भोपाल की सबसे बड़ी बावड़ी है, बड़े बाग का कुल क्षेत्रफल 32 एकड़ है और यहां कई जल संरचनाएं हैं, उनमें से इसह बावड़ी की गहराई 60 फीट है। बावड़ी दो मकबरों के मध्य स्थित है यह बावड़ी स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण भी है। जिला प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल द्वारा इस बावड़ी की सफाई, सिल्ट हटाने, खरपतवार उन्मूलन, दीवारों और सीढ़ियों की मरम्मत, रंगाई-पुताई तथा सुरक्षा जाली लगाने जैसे कार्य तेज़ी से किए गए। लगभग 40 क्यूबिक मीटर सिल्ट हटाने और जल ग्रहण क्षमता को 2000 लीटर प्रति घंटा तक पहुँचाने के बाद यह संरचना फिर से उपयोग में लाई जा रही है। आज इस ऐतिहासिक बावड़ी का जल निस्तार कार्यों में प्रयोग हो रहा है और यह स्थल अब भोपाल की जल धरोहर एवं सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता ने इस बावड़ी को एक बार फिर जीवंत कर दिया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह कार्य न केवल एक संरचना का पुनरुद्धार है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति मध्यप्रदेश सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

भारत में बीमा जागरूकता की भारी कमी, 79 प्रतिशत पॉलिसीधारकों को नहीं पता क्या है उनका कवरेज

नई दिल्ली, एजंसी। भारी कमी देखने को मिली है। बीमा सलाहकार ऐप कवरश्योर के सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है। सर्वे के अनुसार 79 प्रतिशत भारतीय यह नहीं जानते कि उनकी बीमा पॉलिसी उन्हें पर्याप्त कवरेज देती है या नहीं। यह अनिश्चितता की स्थिति अंडरइंश्योरेंस के खतरे का संकेत देती है। इससे बीमा कवरेज होने के बावजूद कई लोगों को वित्तीय जोखिम झेलना पड़ सकता है।

इसके अलावा सर्वे से पता चलता है कि लगभग 71 प्रतिशत उत्तदाताओं के पास दो से पांच सक्रिय बीमा पॉलिसियां हैं। इसमें जीवन बीमा सबसे अधिक 63 प्रतिशत के पास है, इसके बाद स्वास्थ्य बीमा 24 प्रतिशत और मोटर बीमा 13 प्रतिशत के पास है। हालांकि ये पॉलिसियां होने के बावजूद 65 प्रतिशत बीमा

धारकों ने माना कि उन्हें अपनी पनी पॉलिसियों के लाभ, शर्तें, अपवर्जन और क्लेम प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं है। केवल 35 प्रतिशत ही दावा करते हैं कि उन्हें लाभ और शर्तों की पूरी समझ है। कवरश्योर के संस्थापक और सीईओ सौरभ विजयवर्गीय ने कहा कि अगर बीमाधारक यह नहीं जानते कि उन्हें क्या कवर मिलता है और कैसे इसका उपयोग करना है, तो बीमा का उद्देश्य ही विफल हो जाता है। सिर्फ बीमा लेना काफी नहीं है, वास्तविक वित्तीय सुरक्षा तभी मिलती है जब पॉलिसीधारक और उनके परिवार को इसकी पूरी जानकारी हो।

जागरूकता की कमी से होता है नुकसान

सर्वे में पता चला कि समझ की कमी परिवारों तक भी फैली हुई है, 60 प्रतिशत आश्रितों को यह नहीं पता कि वे किस बीमा पॉलिसी के अंतर्गत कवर हैं या नहीं। इसके अलावा, दस में से केवल एक आश्रित ही अपने कवरेज या लाभों का सही-सही वर्णन कर सकता है। जागरूकता की इस कमी के कारण अक्सर दावे प्रस्तुत करने में चूक हो जाती है, दावे खारिज हो जाते हैं या पॉलिसी का अप्रभावी उपयोग होता है।

बीमा दस्तावेजों के प्रबंधन में भी कमी

बीमा दस्तावेजों को संभालने के तरीके भी अलग हैं। 29 प्रतिशत लोग फिजिकल फाइल्स, 26 प्रतिशत स्प्रेडशीट, 24 प्रतिशत एसएमएस अलर्ट, और 21 प्रतिशत डिजिटल फोल्डर का सहारा लेते हैं। ये असंगठित तरीके जानकारी को सही समय पर खोजने में मुश्किलें पैदा करते हैं, जिससे क्लेम या रिन्युअल प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

बीमा साक्षरता में अंतर एक गंभीर खतरा

बीमा सहायता के मामले में, 36 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मानवीय सलाहकारों को प्राथमिकता दी, जबकि 26 प्रतिशत डिजिटल सहायता के लिए तैयार हैं। 38 प्रतिशत का मानना है कि उन्हें किसी भी तरह की मदद की जरूरत नहीं है, जबकि अधिकांश लोगों को अपनी पॉलिसी की पूरी जानकारी नहीं होती। यह बीमा साक्षरता में एक गंभीर अंतर को उजागर करता है।

इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश पर आपातकाल थोपा: खंडेलवाल

जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी: यादव भाजपा ने संविधान हत्या दिवस पर आपातकाल प्रदर्शनी लगाई

छिंदवाड़ा। जिला भाजपा कार्यालय में 25 जून 1975 के आपातकाल को याद करते हुए बुधवार को संविधान हत्या दिवस पर आपातकाल की विभीषिका को प्रदर्शित करती हुए प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव द्वारा आपातकाल की विभीषिका को झेले हुए लोकतंत्र के सेनानियों का सम्मान किया गया एवं आपातकाल पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर भारत पर आपातकाल थोप दिया। यह निर्णय किसी युद्ध या विद्रोह के कारण नहीं, बल्कि अपने चुनाव को रद्द किए जाने और सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया था। कांग्रेस पार्टी ने इस काले अध्याय में न केवल लोकतांत्रिक संस्थाओं को रौंदा, बल्कि प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को कुचलकर यह स्पष्ट कर दिया कि जब-जब उनकी सत्ता संकट में होती है, वे संविधान और देश की आत्मा को ताक पर रखने से पीछे नहीं हटते। उन्होंने कहा कि आज 50 वर्ष बाद भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ चल रही है, आज भी सिर्फ तरीकों का बदलाव हुआ है, नीयत आज भी वैसी ही तानाशाही वाली है। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल'को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। लोकतंत्र सेनानी अशोक पोफली ने कहा कि आपातकाल दिवस क्यों मनाया जाता है ये नई पीढ़ी को पता होना चाहिए। उनके मौलिक अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। कार्यक्रम में मंच संचालन लोकतंत्र प्रहरी विजय पांडे एवं मंच व्यवस्था अजय सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी अजय औरंगाबादकर, अशोक पोफली, मोहन रोड़े, ईश्वरी प्रसाद चौरसिया, कृष्णा बरैया, मधुकर राव पोफली, विनोद आठले, मोहन रोड़े, चिवल यादव, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इतिहास का काला दिन था आपातकाल

आपातकाल की 50 वीं वर्षगांठ पर बैतूल के विधायक हेमंत खंडेलवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह दिन इतिहास का काला दिन था और इस दिन श्रीमति इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या की थी और देश भर में विपक्ष के नेताओं को जेल में बंद कर दिया था। जिले में 162 लोगों को रातोरात जेल में बंद कर दिया जिसकी संख्या प्रदेश में सबसे ज्यादा थी। उच्च न्यायालय ने उनके विरूद्ध चुनाव में फैसला देकर उन्हें आयोग्य घोषित कर दिया था फिर उन्होने संविधान में संशोधन कर आपातकाल लगवाया था। पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, अजय सक्सेना, विजय पांडे, पूर्व विधायक रमेश दुबे उपस्थित थे।

पार्टी जिम्मेदारी देगी तो उसे स्वीकार करूंगा

बैतूल के विधायक हेमंत खण्डेलवाल से यह पूछे जाने पर की आपका नाम प्रदेश अध्यक्ष के लिए जोर शोर से चल रहा है किन्तु अभी तक घोषणा नहीं हुई है। इस प्रश्न को टालते हुए उन्होने कहा कि यह पार्टी का मामला है। हाईकमान फैसला करेगा। उनके पूछा गया कि पार्टी आपको प्रदेश अध्यक्ष पद की जवाबदारी सौंपेगी तो क्या वे उसे स्वीकार करेंगे उन्होने कहा कि वे पार्टी का निर्णय स्वीकार करेंगे और पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को जो जिम्मेदारी दी जाती है उसे वह जिम्मेदारी के साथ निर्वाह करता है।

लोकतंत्र सेनानी राजेन्द्र राय सम्मानि

छिंदवाड़ा। लोकतंत्र सेनारी राजेन्द्र राय का जिला भाजपा अध्यक्ष द्वारा सम्मान किया गया एवं आपातकाल की याद ताजा किया गया।

शहर के विकास के लिए पारित हुए प्रस्ताव

नगर निगम में हुई एमआईसी की बैठक

छिंदवाड़ा। नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा की मेयर इन काउंसलिंग की बैठक बुधवार निगम कार्यालय में नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के महापौर विक्रम अहके की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में निम्नानुसार प्रस्तावों को स्वीकृति मिली -

पारित प्रस्ताव उच्च न्यायालय जबलपुर में दायर रिट पिटिशन क्रमांक 8962/2025, श्री ब्रजेश पाण्डेय में भवन अधिकारी (सहायक यंत्री सिविल) एकल पद पर पदोन्नति के संबंध स्वीकृति प्रदान की गई। नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा सीमांतर्गत इमलीखेडा खसरा नंबर 29/4 में सुविधाजनक दुकानें एवं स्थानीय दुकानें निर्माण हेतु भूमि आवंटन के संबंध में स्वीकृति हेतु प्रकरण स्वीकृत किया गया। नगर पालिक निगम छिन्दवाड़ा सीमांतर्गत इमलीखेडा खसरा नंबर 31/1 में व्यवसायिक कॉम्पलेक्स / मॉल निर्माण हेतु भूमि आवंटन के संबंध में स्वीकृति हेतु प्रकरण स्वीकृत किया गया। नगर पालिक निगम छिन्दवाडा स्वामित्व की जेल बगीचा स्थित रिक्त भूमि पर व्यवसायिक कॉम्पलेक्स निर्माण के संबंध में स्वीकृति प्रदान की गई।आईएसबीटी हेतु जमीन चिन्हित कर भूमि आबंटन किये जाने हेतु प्रस्ताव भेजे जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। स्थान चिन्हित किए जाने हेतु तीन सदस्यीय दल बनाने के निर्देश दिए गए। नगर पालिक निगम छिन्दवाडा सीमांतर्गत दिव्यांगजन द्वारा संचालित अधिकृत सांची पार्लर से अस्थायी दखल शुल्क राशि पूर्व में 3000/- रुपए प्रतिमाह निर्धारित की गई थी जिसमें संशोधन कर सामान्य पार्लर संचालक हेतु 1500/- रुपए प्रतिमाह एवं दिव्यांग पार्लर संचालक हेतु 1000/- प्रतिमाह निर्धारित किए जाने को स्वीकृति प्रदान की गई। छिंदवाड़ा में होने वाली महापौर परिषद की संभावित बैठक 12 जुलाई 2025 में होने वाले व्यय की प्रशासकीय एवं सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। साप्ताहिक पशु बाजार पंजीयन शुल्क वसूली हेतु ठेका दिये जाने हेतु प्रकरण स्वीकृत किया गया।

अतिरिक्त प्रस्ताव- प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत ए.एच.पी. घटक खजरी में अधोसंरचना विकास कार्य की समय वृद्धि हेतु प्रकरण स्वीकृत किया गया।कायाकल्प अभियान में के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र की प्रमुख मार्गो में बी टी रिनिवल कार्य के राषि के अतिरिक्त राषि की स्वीकृत किया गया।

चमत्कारी हनुमान मंदिर पहले फेस निर्माण कार्य समाप्ति पर

सौसर। क्षेत्र के प्रसिद्ध चमत्कारी हनुमान मंदिर को विशाल स्वरूप देने के लिए प्रशासन भी सक्रिय भाग ले रहा है हनुमान मंदिर के समीप हनुमान लोक निर्माण के लिए

मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत राशि में निर्माण कार्य चल रहा है पहले फेस का निर्माण कार्य समाप्ति पर है अब द्वितीय फेस के लिए शासन द्वारा शीघ्र अनुदान दिया जाएगा जिसका भूमि पूजन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा करने के लिए हनुमान मंदिर ट्रस्ट समिति ने गत दिनों उनसे अनुरोध भी किया है संभवत अगले माह में मुख्यमंत्री यहां आकर उसका भूमि पूजन करेंगे साथ ही अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेगे। मंदिर निर्माण के लिए जगह की कमी अवश्य पड़ रही है इस संबंध में अनु विभागीय अधिकारी ने एक आदेश निकालकर मंदिर के समीपस्थ भूमि का पंजीयन के लिए रोक लगा दी है अब अनुविभाग की अधिकारी के आदेश से ही रजिस्ट्री हो सकेंगी जिससे अब उम्मीद की जा सकती है कि हनुमान मंदिर को विशाल रूप देने के लिए पर्याप्त जमीन भी उपलब्ध हो सकेगी तथा इसका शीघ्र कायाकल्प हो सकता है।

पंतजलि का छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय से समझौता

छिंदवाड़ा शोध को मिलेगी नई दिशा विश्वविद्यालय ने किया MOU पर हस्ताक्षर

छिंदवाड़ा। राजा शंकर शाह विश?वविद्यालय छिन्दवाड़ा सत्र 2025-26 से विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग प्रारंभ करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरू माननीय प्रो. इन्द्र प्रसाद त्रिपाठी के अथक प्रयास, कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में विश?वविद्यालय शिक्षा, इंटर्नशिप, प्रशिक्षण, कौशल विकास, प्लेसमेंट एवं अनुसंधान आदि कार्यों को संपादित करने छात्रों, शिक्षकों, आम जनता लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से पंतजलि रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट (PRFT) पंतजलि योगपीठ हरिद्वार उत्तराखण्ड, पंतजलि विश्वविद्यालय दिल्ली एवं राजा शंकर शाह विश?वविद्यालय छिन्?दवाड़ा के मध्य MOU सम्पन्न हुआ है।इस MOU से शैक्षणिक, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। यह समझौता विकसित भारत 2047 के क्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद एवं योग आधारित उच्च शिक्षा को नई दिशा देगा। यह साझेदारी दोनों संस्थानों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विश्वविद्यालय अपने समिति संसाधनों में विश्वविद्यालय परिक्षेत्र में स्थित वनस्पति औषधियों की प्रचुरता, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक महत्व को दृष्टिगत रखते हुये यह समझौता भविष्य में मील का पत्थर साबित होगा। उक्त संस्थान से समझौता किया गया। MOU 25 जून को किया गया।विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. जे.के. वाहने से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह समझौता विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो0 आई पी त्रिपाठी राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय छिंदवाड़ा, आचार्य बालकृष्ण (कुलपति) पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार व डॉ वेद प्रिया (निदेशक) पतंजलि शोध संस्थान हरिद्वार की उपस्थिति में नई दिल्ली में किया गया।

पुलिस ने गेहूं चोरी का किया खुलासा

चार आरोपी गिरफ्तार, राशन का 42 बोरी गेहूं जब्त

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के थाना देहात पुलिस ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान से गेहूं चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 42 बोरी चोरी का गेहूं जब्त किया है। बरामद गेहूं का बाजार मूल्य लगभग ?52,500 आँका गया है।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आयुष गुप्ता (आई.पी.एस.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री अजय राणा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक जी.एस. राजपूत के नेतृत्व में की गई।घटना का विवरणदिनांक 23 जून 2025 को थाना देहात क्षेत्रांतर्गत ग्राम काराबोह स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान से रात्रि में अज्ञात चोरों ने दुकान की टीन छत उखाड़कर 42 बोरी गेहूं चोरी कर लिया था।

इस मामले में थाना देहात में अपराध क्रमांक 330/2025 धारा 303, 305 बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीम गठित की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान संदेह के आधार पर चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिनमें सभी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

1 लाख 25 हजार की आर्थिक सहायता

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवके साहू के प्रयासों से 3 गंभीर रूप से बीमार मरीजों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपनी स्वेच्छानुदान निधि से एक लाख 25 हजार की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों सांसद श्री साहू से मुलाकात करते हुए तीनों मरीजों एवं उनके परिजनों ने उनकी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए ईलाज करने में असमर्थ होने की जानकारी देते हुए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए गुहार लगाई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र प्रेषित करके तीनों मरीजों की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निवेदन किया था।

संरक्षक उमाशंकर गुप्ता का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया

वैश्य भवन स्थल में पौधारोपण किया

छिंदवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के द्वारा विगत दिवस वैश्य शिरोमणि संरक्षक उमाशंकर गुप्ता के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। तदाशय की जानकारी देते हुए जिला युवा इकाई के अध्यक्ष विशाल माहेश्वरी ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस आयोजन में इस वर्ष प्रकृति सेवा को सेवा का आधार बनाकर रामबाग स्थित प्रस्तावित वैश्य भवन स्थल पर पौधारोपण किया गया और पौधों के संरक्षण की व्यवस्था की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश संगठन महामंत्री विजय झांझरी ने अपने संबोधन में उमाशंकर गुप्ता को जन्म दिन की बधाई दी और कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु युवा इकाई को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवाओं ने अपनी सक्रियता और निष्ठा से संगठन को बहुत मजबूती और जीवंतता प्रदान की है। यह निर्णय लिया गया है कि संगठन से सर्वाधिक सदस्य जोड़ने के लिए वैश्य रत्न सम्मान प्राप्त युवाओं के फोटो प्रस्तावित वैश्य भवन में प्रदर्शित किए जाएंगे। उनकी सेवाओं के मद्देनजर वैश्य महासम्मेलन उनके जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मानता है। संभागीय अध्यक्ष नीरज भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि छिंदवाड़ा में वैश्य भवन की परिकल्पना उमाशंकर की ही देन है। उन्हीं के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए विजय झांझरी को छिंदवाड़ा में वैश्य भवन बनाने की प्रेरणा मिली और इस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। जिला इकाई अध्यक्ष अनिल सिंघई ने युवा सदस्यों को सेवा दिवस में वृक्षारोपण के कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई देते हुए संगठन को सतत आगे बढ़ाने का आव्हान किया।

विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन प्रांतीय कार्यकारिणी की मीटिंग

छिंदवाड़ा। विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन प्रांतीय कार्यकारिणी की मीटिंग दिनांक 24 जून 2025 को कोकिला रिसोर्ट जबलपुर में सम्पन्न हुई कार्यक्रम को एस.के.जायसवाल प्रांतीय अध्यक्ष, एल.पी.अग्रवाल

,प्रांतीय महासचिव एवं पी.एस.यादव पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया। उक्त मीटिंग में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पेंशनर पदाधिकारी सम्मिलित हुये। पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं पर पदाधिकारियों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये तथा पेंशनरों की भारी उपेक्षा पर म.प्र.शासन एवं कंपनी प्रशासन के प्रति रोष प्रकट किया गया तथा शीघ्र ही भोपाल में राज्य शासन एवं अन्य निगम मंडलों के पेंशनरों के साथ विशाल धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया एम.एम.अंसारी विधि सलाहकार द्वारा न्यायालयीन प्रकरणों पर विस्तार से जानकारी दी गयी।

राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी स्पर्धा हेतु उमाकांत,अरुण का चयन

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश कबड्डी संघ द्वारा राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 जून 2025 को इटारसी में किया गया । इस प्रतियोगिता मैं इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर,सागर, रीवा, शहडोल, उज्जैन, नर्मदापुरम सहित अन्य संभागों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। राज्य स्पर्धा में जिला कबड्डी संघ

छिंदवाड़ा की टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चयन समिति द्वारा उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर जिला कबड्डी संघ एवं खेल विभाग के खिलाड़ी उमाकांत सनोडिया एवं अरुण कवरेती का चयन राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता हरिद्वार हेतु किया गया। 29 जून से1 जुलाई तक हरिद्वार में राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न होगा। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा जिले में यह प्रथम अवसर है जब मध्य प्रदेश फेडरेशन द्वारा कबड्डी के जूनियर वर्ग में इन खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया गया। मध्य प्रदेश दल में चयनित खिलाड़ियों को अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, राकेश चौरसिया, रीतेश शुक्ला, प्रीति मार्को ,कलशराम मर्सकोले, देवचंद सूर्यवंशी, नरेंद्र सूर्यवंशी,प्राफुल गायकवाड़, पूजा सरेआम सहित पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

लक्ष्मी कन्सट्रक्शन कंपनी की लापरवाही... पार्षद संदीप चौहान ने गड्डे में पानी नहाया

छिंदवाड़ा । शहर में निर्माण कार्यों की आड़ में लगातार लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ अब जनप्रतिनिधि भी सड़कों पर उतर आए हैं। गुलाबरा क्षेत्र के जागरूक युवा पार्षद संदीप सिंह चौहान ने कंपनी के घटिया कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पानी में उतरकर विरोध प्रदर्शन किया।

गुलाबरा मैन रोड पर पिछले कई महीनों से चल रहे सीवर लाइन के कार्य में कंपनी की अनदेखी और धीमी गति से काम होने के चलते क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह खुदे गड्ढे छोड़ दिए गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। दोपहिया वाहन चालकों, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए सड़क पर चलना चुनौती बन गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन द्वारा सीवर और पाइपलाइन बिछाने के दौरान न सिर्फ सड़कों की हालत खराब की गई, बल्कि लोगों के घरों की निजी पाइपलाइनों और नगर निगम की पाइपलाइन को भी क्षति पहुंचाई गई है। कई स्थानों पर तो महीनों से सड़क की खुदाई के बाद उसे वैसे ही छोड़ दिया गया है, जिससे गंदगी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। पार्षद संदीप सिंह चौहान ने कहा कि यदि जल्द ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार और समयसीमा का पालन नहीं किया गया।

मंदिर प्रांगण के सामने चल रहे अवैध निर्माण हटाने मांग की

छिंदवाड़ा। वार्ड क्र. 47 पंडित माखनलाल चतुर्वेदी वार्ड प्रियदर्शिनी कॉलोनी, महावीर नगर, वृद्धा आश्रम के पीछे, छिंदवाड़ा के रहवासियों ने बताया कि हमारे वार्ड में मंदिर प्रांगण के सामने रिक्त पड़ी शासकीय भूमि पर श्रीमती ज्योति सिंग पति मुनेन्द्र सिंग, राज गौहर द्वारा गुण्डागर्दी करते हुये पूर्व में टपरा बना लिया एवं अब पुनः इसी भूमि पर बने टपरे में दीवार उठाकर अब स्लेब ढालने की तैयारी है, जबकि इस भूमि के संबंध में तहसील न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश भी दिया गया एवं निगम को भी पूर्व में बनाये गये टपरे को हटाने का आदेश दिया है, क्योंकि इनके द्वारा स्वीकृत पट्टे से अधिक भूमि पर कब्जा करके निर्माण किया जा रहा है । ऐसी स्थिति में मंदिर प्रांगण में समय-समय पर होने वाले धार्मिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन में श्रद्धालुओं को परेशानी होगी। वर्तमान में चल रहे अवैध निर्माण की शिकायत भी श्रीमान तहसीलदार महोदय एवं नगर निगम एवं सांसद विवेक बंटी साहू को की गई परंतु आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। वार्डवासियों ने बताया कि राज गौहर के द्वारा एस.ए.एफ. की भूमि पर भी कब्जा कर लिया है । उन्होनें इसकी शिकायत पूर्व में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री को एवं सी.एम. हेल्प लाईन में, सांसद, जिला कलेक्टर, एस.डी.एम., तहसीलदार और आयुक्त नगर निगम को की गई बावजूद इनके द्वारा गुण्डागर्दी कर अवैध निर्माण किया जा रहा है । समस्त वार्डवासियों ने प्रशासन से अपील की है कि उक्त व्यक्तियों द्वारा दबंगतापूर्वक किये जा रहे अवैध निर्माण को तत्काल हटवाया जाये ।

आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का अभिनन्दन कर मनाया काला दिवस

रतलाम । भारतीय जनता पार्टी ने आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर काला दिवस मनाया। इस मौके पर रंगोल परिसर में संगोष्ठी हुई, जिसमें आपातकाल के दौरान जेल में लोकतंत्र रक्षक सैनानियों और उनके परिवार का अभिनन्दन किया गया। आपातकाल के काले अध्याय से जु? प्रसंगों की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर रहे। अध्यक्षता उज्जैन के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सांकला ने की। इस दौरान एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप, महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, कार्यक्रम प्रभारी सुनील सारस्वत मंचासीन रहे।

काला दिवस संगोष्ठी की शुरुआत भाजपा के पितृपुरूषों डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। भाजपा नेत्री सोना शर्मा एवं दिव्या शर्मा ने गीत प्रस्तुत किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय ने स्वागत भाषण दिया। अतिथियों ने मीसाबंदी लोकतंत्र रक्षक सेनानी पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मौर्य, बजरंग पुरोहित चंदनमल पिरोदिया, बद्रीलाल चौहान, प्रकाश गुगलिया, परशराम सैनी, शांतिलाल मूणत, अनिल मांदले, राजेन्द्र भरकुंदिया, बसंत पुरोहित, महेन्द्र नाहर, दिनेश सोलंकी, विनय मोघे एवं दुर्गा प्रसाद ऐरन का शाल, श्रीफल से अभिनंदन किया। दिवंगत लोकतंत्र रक्षक सेनानियों के परिवारजनों का भी सम्मान किया गया। एमएसएमई मंत्री चेतन्य काश्यप ने फीता काटकर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया जिसमें इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल के दौरान की गई तानाशाही को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया था। कार्यक्रम का संचालन सह प्रभारी अनिता कटारिया ने किया। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी और आपातकाल के दौरान तानाशाही करते हुए देश के हर तंत्र को कमजोर किया। भाजपा लोकतंत्र की रक्षा के लिए आरंभ से संघर्ष करती आ रही है। पार्टी के पितृ पुरुष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने इसके लिए अपना बलिदान दिया है। प्रधानमंत्री मोदीजी उनके बलिदान को सार्थक करते हुए देश को हर क्षेत्र में आगे ले जा रहे है।

उज्जैन के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र सांकला ने कहा कि इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू करना देश का सबसे काला दिन था। इसी लिए भाजपा इसे काला दिवस के रूप में मनाती आ रही है। 50 वर्ष पूर्व आपातकाल में जो प्रता?नाएं देश के नागरिकों को झेलनी प?ी उन्हें याद करना भी दुखद है। इंदिरा गांधी ने लोकतांत्रिक आन्दोलन ही नहीं कुचले अपितु अपना जनाधार सुरक्षित रखने के लिए आपातकाल में सारे विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था।

सांसद के मुख्य आतिथ्य में आज होगा महाराजा का पट पूजन

14 वे वर्ष में दिव्य मूर्ति निर्माण पूर्व आज होगा पटा पूजन

छिंदवाड़ा। गणराज वेलफेयर सोसाइटी श्री छिंदवाड़ा के महाराजा के संस्थापक अमित राय एवं कोषाध्यक्ष समाजसेवी चंद्रकांत विश्वकर्मा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान श्री गणेश छिंदवाड़ा के महाराजा के 14 वे वर्ष के भव्य गणेश महोत्सव आयोजन को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जाना है ,श्री छिंदवाड़ा के महाराजा की मनमोहक प्रतिमा निर्माण पूर्व विधिवत पटा पूजन कार्यक्रम दिनांक 26 जून 2025 को गुप्त नवरात्र के प्रथम दिन शुभ अमृत योग में महाराजा के स्थापना स्थल पर प्रातः9-30 बजे महाराजा के मुख्य पुजारी प.श्रवण कृष्ण शास्त्री जी के द्वारा पूर्ण विधि विधान से संपन्न कराया जाएगा उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिले के सांसद श्री विवेक बंटी साहू जी सपत्नीक उपस्थित रहेंगे एवं पटा पूजन करेंगे साथ ही सभी गणेश भक्त भी पट पूजन में सम्मिलित रहेंगे ।

आगे जानकारी में छिंदवाड़ा के महाराजा के प्रबंधसमिति सदस्य संदीप अग्निहोत्री एवं इमरत चक्रवर्ती ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान श्री गणेश छिंदवाड़ा के महाराजा की दिव्य एवं आकर्षक मूर्ति के निर्माण के पूर्व 26 जून दिन गुरुवार को स्थान कलेक्टर बंगले के पास गौरैया नाका पर 9-30 बजे भगवान श्री गणेश छिंदवाड़ा के महाराजा के दिव्य मूर्ति के पटा का पूजन पूरे विधि विधान एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न होगा श्री छिंदवाड़ा के महाराजा के 14 वे वर्ष की गणेश मूर्ति के निर्माण के पूर्व पूजन में महाराजा परिवार के सदस्य सपत्नीक इस पूजन में प्रमुखता से पूरे विधि विधान से करेंगे साथ ही महाराजा के सभी सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे ।

सुरक्षित छिंदवाड़ा के लिए ठोस कदम...

हेलमेट अनिवार्य, मवेशियों पर रेडियम, पार्किंग की नई योजना तैयार

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में प्रभारी अपर कलेक्टर श्रीमती अंकिता त्रिपाठी की अध्यक्षता में गत दिवस कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए विभिन्न अहम निर्णय लिए गए। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और कार चालकों को सीट बेल्ट का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए । शहर में पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट पेट्रोल भरवाने पर रोक लगाने की कार्रवाई की जाएगी, वहीं प्रतिदिन रेंडम चेकिंग कर इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी।

सोशल मीडिया से

अरे पति पत्नी के झगडे नही छुडाता मैं. !
किसने नंबर दिया आपको मेरा.?

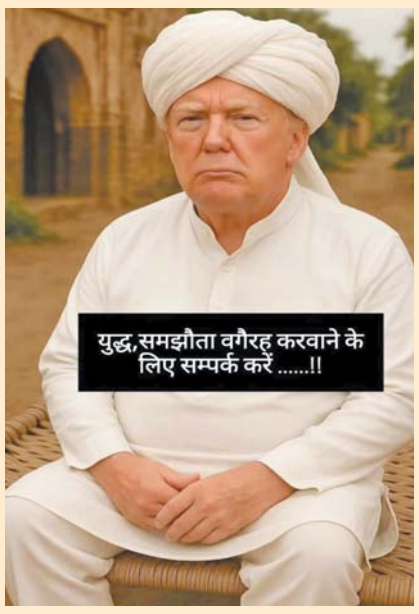

गृह कलेश
पति पत्नी का झगड़ा
पड़ोसी से झगड़ा
और
किसी भी किस्म के झगड़े का सुलह करवाने के लिए
तुरंत संपर्क करें..
दुनिया के मशहूर
- चौधरी ट्रम्प सिंह
सफ़ेद कोठी, वाशिंगटनवाले

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस, या विश्व नशीली दवा दिवस, हर साल 26 जून को मनाया जाता है, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त दुनिया के लक्ष्य को प्राप्त करने में कार्रवाई और सहयोग को मजबूत किया जा सके और प्रत्येक वर्ष,

आप जैसे व्यक्ति, सम्पूर्ण समुदाय, तथा विश्व भर के विभिन्न संगठन, इस वैश्विक उत्सव में शामिल होते हैं, ताकि समाज के लिए अवैध दवाओं की प्रमुख समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। हम सब मिलकर विश्व की नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं।

हर साल, यूएनओडीसी विश्व ड्रग रिपोर्ट जारी करता है, जो आधिकारिक स्रोतों, विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण और अनुसंधान के माध्यम से प्राप्त प्रमुख आंकड़ों और तथ्यात्मक आंकड़ों से भरा होता है। वर्तमान विश्व नशीली दवाओं की समस्या के समाधान के लिए तथ्य और व्यावहारिक समाधान प्रदान करना जारी रखे हुए है, तथा विज्ञान पर आधारित सभी के लिए स्वास्थ्य की परिकल्पना को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व मादक पदार्थ दिवस शोध निष्कर्षों, साक्ष्य-आधारित आंकड़ों और जीवन-रक्षक तथ्यों को साझा करने तथा एकजुटता की साझा भावना को जारी रखने का दिन है। यूएनओडीसी सभी को अपनी भूमिका निभाने के लिए आमंत्रित करता है, गलत सूचना और अविश्वसनीय स्रोतों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए; साथ ही दवाओं पर केवल वास्तविक विज्ञान समर्थित डेटा को साझा करने और जीवन बचाने के लिए प्रतिबद्ध होने के लिए भी। **(साभार)**

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक प्रतिष्ठित मीडिया समूह द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ कर संवाद किया।

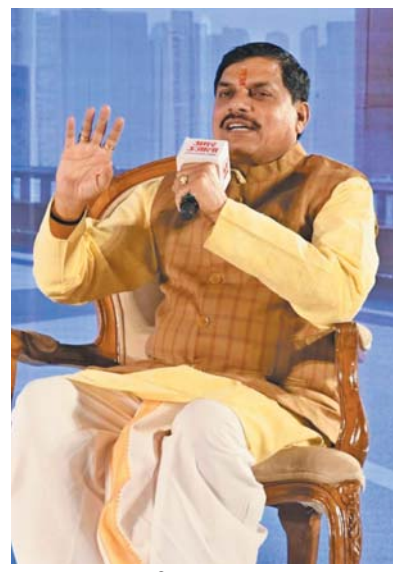

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने सौजन्य भेंट की।

उत्कल समाज द्वारा भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभा यात्रा निकालने के लिए एक सुंदर रथ का निर्माण किया जिस पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ के साथ बलभद्र एवं सुभद्रा भव्य शोभा यात्रा के साथ निकलेंगे।

मध्यप्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाओं से खुलेंगे उन्नति के नए द्वार: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच हुआ एमओयू

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अधोसंरचना विकास, पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण एवं प्रोत्साहन और पर्यटन क्षेत्र में निजी सहभागिता को बढ़ावा देकर सुनियोजित एवं एकीकृत प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से आज मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में असीम क्षमता और निवेश का आकर्षक क्षेत्र बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल लखनऊ के होटल ताज महल में पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रेवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े हितधारकों को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि किसी क्षेत्र में तीव्र गति से विकास 3 क्रांतियों के होने से होता है। औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति। इन तीनों क्रांतियों से स्वरोजगार और रोज़गार के अवसर सृजित होते हैं। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों प्रदेश इन तीनों क्रांति के लिये सबसे उपयुक्त प्रदेश हैं।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश का सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव रहा है। हमारे रीतिङ्करिवाज, त्यौहार, खानङ्कपान, रिश्तेङ्कनाते एक जैसे हैं। माँ गंगा से माँ नर्मदा तक की यह यात्रा न केवल पर्यटकों को सुखद अनुभूति प्रदान करेगी बल्कि दोनों प्रदेश के संबंधों को भी प्रगाढ़ करेगी।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है। मध्यप्रदेश, अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक संपदा के लिए प्रसिद्ध है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति और निवेश के अवसरों पर चर्चा करते हुए, सभी को मध्यप्रदेश आने और प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

गंगा-नर्मदा कॉरिडोर से खुलेगी पर्यटन की नई राह- प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। उत्तर प्रदेश और म.प्र. के पर्यटन में काफी समानता है। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रृद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। दोनों ही ज्योर्तिलिंग को जोड़ने के लिये काशी विश्वनाथ महाकाल एक्सप्रेस संचालित होती है। गंगा और नर्मदा पर्यटन कॉरिडोर प्रस्तावित परियोजना के तहत मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा।

एम्स भोपाल में कैंसर मरीजों को जल्द मिलेगी गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन की सुविधा

भोपाल। राजधानी स्थित एम्स लगातार स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार कर रहा है। इसी कड़ी में अब यहां आने वाले कैंसर मरीजों के लिए दो बड़ी सुविधा शुरू होने जा रही है। जिनमें से प्रमुख है गामा नाइफ यूनिट और पेट स्कैन जांच दोनों ही सुविधा जल्द शुरू हो सकती है। गामा नाइफ यूनिट में मस्तिष्क में पनप रहे कैंसर का त्वरित इलाज हो सकेगा। इस तकनीक से ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन कैंसर, ट्राइजेमिनल न्यूरलजिया और एकोस्टिक न्यूरोमा जैसी बीमारियों का सटीक इलाज किया जा सकता है। वही पेट स्कैन शुरू होने से 20 हजार तक की महंगी जांच सरलता से हो पाएगी। बता दें कि पेट स्कैन जांच की सुविधा मध्यप्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में उपलब्ध नहीं है। बता दें एम्स भोपाल में बन रही गामा नाइफ यूनिट की लागत लगभग 85 करोड रुपए आएगी। देश में अब तक सिर्फ चार संस्थानों में ही यह तकनीक है। गामा नाइफ से इन्फेक्शन रेडियस मात्र 0.01 फीसदी ही रह जाता है। यही नहीं इससे 0.1 एमएम के क्षेत्र में भी रेडिएशन दिया जा सकता है। इसमें ब्रेन की खून ले जाने वाली शिरा को छेड़े बिना सीधे ट्यूमर के डीएनए को नष्ट करता है। इस मशीन को इंस्टॉल करने के जरूरी बंकर अक्टूबर तक तैयार होंगे।

गामा नाइफ एक अत्याधुनिक तकनीक

एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि गामा नाइफ एक अत्याधुनिक तकनीक है। केंद्र सरकार के उपक्रम हाइट्स द्वारा इसे खरीदा जा रहा है। बंकर का निर्माण भी सीपीडब्ल्यूडी कर रहा है। काम 50 फीसदी हो गया है। जानकारी के लिए बतादें कि गामा नाइफ के लिए रेडिएशन फ्री बंकर बनाने के लिए जिम्मेदारी सीपीडब्ल्यूडी को दी गई थी, लेकिन, काम की रफ्तार धीमी होने के कारण अब यह काम एचएलएल इंझफ्रोटेक सर्विसेस लिमिटेड (एचआईटीईएस) यानी हाइट्स को दिया गया है। एजेंसी बदलने से काम पिछड़ गया। फायदा

20 हजार में होती है पेट स्कैन की जांच

कैंसर के ज्यादातर मरीजों को पेट स्कैन की जांच करानी पड़ती है। यह जांच काफी महंगी होती है। यह जांच भोपाल में लगभग 18 से 20 हजार में निजी अस्पतालों में की जाती है। किसी भी सरकारी हॉस्पिटल सुविधा नहीं होने से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एम्स भोपाल में जल्द ही यह जांच शुरू करने की तैयारी की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार पेट स्कैन शुरू करने की तैयारी अंतिम पड़ाव पर है।

महापौर मालती राय ने की समीक्षा बैठक

भोपाल। आज महापौर मालती राय ने आईएसबीटी स्थित कार्यालय पर जोन 18 की समीक्षा बैठक ली बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष सुनीता भदौरिया, पार्षद ज्योति मिश्रा, जोनल अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, अतिक्रमण प्रभारी, सहायक यंत्री, यांत्रिकी, जल कार्य, विद्युत के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

पूल पार्टी में नशीला जूस पिलाकर नाबालिग से रेप

भोपाल। भोपाल में नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आया है। जांच में सामने आया है कि पीड़िता को जान-पहचान की एक युवती ने पहले बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर बुलाया और वहां उसे युवकों के हवाले कर दिया। आरोप है कि महिला ने अगले दिन एक फार्महाउस में पूल पार्टी में ले जाकर पीड़िता को जूस में मिलाकर नशीला पदार्थ पिलाया।

अनाज और दलहन में दिखा हल्का उछाल, आज के ताज़ा रेट

भोपाल। 26 जून के ताज़ा मंडी भाव जानें, गेहूं, सोयाबीन, चना, मक्का और अन्य फसलों के दामों में उतार-चढ़ाव। मध्यप्रदेश की प्रमुख मंडियों से जुटाए गए भाव, किसानों और व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी जानकारी। देश की प्रमुख मंडियों में फसलों के भाव में हलचल देखने को मिली है। कहीं अनाज के रेट में मामूली बढ़त तो कहीं दलहनों में गिरावट दर्ज की गई है। खासकर मध्यप्रदेश की इंदौर, उज्जैन, नीमच और मंदसौर मंडियों से मिले आंकड़े इस पर खास रोशनी डालते हैं। किसान भाइयों और व्यापारियों के लिए मंडी भाव की जानकारी फसल बेचने और खरीदने के फैसलों में अहम भूमिका निभाती है। आज हम लेकर आए हैं गेहूं, मक्का, चना, सोयाबीन, सरसों जैसी प्रमुख फसलों के ताज़ा रेट्स, जो आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होंगे।

अनाज भाव क्विंटल के अनुसार

सोयाबीन- 3375 से 3700
गेहूं- 2290 से 3055
गेहूं सुजाता- 2100
मक्का- 3300 से 3800
डॉलर चना- 6150 से 9800
देसी चना- 5670 से 7500
चना कांटा- 4000
आमचूर- 3100
मसूर- 4080 से 6900
मूंग- 4170 से 7700
मूंग एवरेज- 4230 से 6200
तुअर- 3250 से 6400
तुअर सफेद महाराष्ट्र- 2080 से 6800
निमाड़ी तुअर- 3180 से 5800
सरसों- 3170 से 5250
सरसों निमाड़ी- 3050 से 5500
उड़द बोल्ड- 6200
उड़द मीडियम- 6150 से 7500
हलका उड़द- 5180 से 7420

सब्जी भाव 10 किलो के अनुसार

सेब- 5100 से 13200
केला- 640 से 1500
टमाटर- 826 से 1800
कद्दू- 225 से 600
खीरा- 540 से 800
करेला- 710 से 700
लौकी- 220 से 500
बेंगन- 360 से 340
फुल गोभी- 210 से 1000
अदरक- 580 से 700
हरी मिर्च-1030 से 3000
पत्ता गोभी- 220 से 800
सहजन- 270 से 500
धनिया- 235 से 800
शिमला मिर्च 200 से 700
टेंसी 140 से 300
नींबू 1530 से 4500

आलू भाव 10 किलो के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर आलू- 3100 से 3600
गुल्ला आलू- 3000 से 4100
ज्योति आलू- 1000 से 1800
चिप्सोना आलू- 900 से 1500
छांटन आलू- 1000 से 2000

प्याज भाव क्विंटल के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर प्याज- 4000 से 5000
सुपर प्याज- 4100 से 4500
एवरेज प्याज- 3200 से 3800

लहसुन भाव क्विंटल के अनुसार

एक्स्ट्रा सुपर लहसुन- 21600 से 28000
सुपर लहसुन- 14700 से 19000
एवरेज लहसुन- 13500 से 17000
मीडियम लहसुन- 11900 से 15000
हलकी लहसुन- 5200 से 11000

स्कूल बसों पर आरटीओ ने की कार्रवाई

बिना परमिट-फिटनेस के चल रहीं 5 बसें जब्त 3 से वसूला 25 हजार रुपए जुर्माना

भोपाल। स्कूल बसों की अनियमितताओं को लेकर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) भोपाल ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को नर्मदापुरम रोड पर विशेष चेकिंग अभियान के दौरान माउंट कार्मल और केएम कॉन्वेंट स्कूल समेत कई स्कूल बसों की जांच की गई। इस दौरान बिना परमिट और फिटनेस के दौड़ रही 5 बसें जब्त की गईं। ये सभी वाहन जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़े कर दिए गए हैं। इसके अलावा तीन अन्य बसों से बिना पीयूसी और चालक के पास वैध लाइसेंस न होने पर 25,000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। आरटीओ अमले ने मौके पर ही दस्तावेजों की बारीकी से जांच की और जिन वाहनों में भारी खामियां पाई गईं, उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की।

बच्चों की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

आरटीओ जितेंद्र शर्मा के अनुसार बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी स्कूल बसों के दस्तावेज जैसे फिटनेस सर्टिफिकेट, परमिट और बीमा की अनदेखी गंभीर अपराध है। यह सीधे तौर पर बच्चों की जान से खिलवाड़ है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शर्मा ने यह भी स्पष्ट किया कि परिवहन विभाग आने वाले दिनों में और भी सख्त चेकिंग अभियान चलाएगा। जो वाहन नियमों के विपरीत पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले 13 दिनों में आरटीओ विभाग ने कुल 15 स्कूल बसों के खिलाफ कार्रवाई की है। इन सभी बसों के पास न तो वैध परमिट था और न ही फिटनेस संबंधी दस्तावेज।